मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 7 अंक 334
शनिवार, 28 जून 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

महाराष्ट्र के लोग हिंदी विरोधी नहीं, लेकिन इसे थोपा नहीं जा सकताः शरद पवार

मुंबई, 27 जून। एनसीपी (सपा) अध्यक्ष शरद पवार ने शुक्रवार को कहा कि महाराष्ट्र के लोग हिंदी विरोधी नहीं हैं, लेकिन कक्षा 1-4 तक के युवा छात्रों पर हिंदी भाषा थोपना सही नहीं है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि देश की 55 प्रतिशत आबादी हिंदी बोलती है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। महाराष्ट्र में भाषा विवाद तब शुरू हुआ जब राज्य सरकार ने पिछले सप्ताह एक संशोधित आदेश जारी किया जिसमें कहा गया कि कक्षा 1 से 5 तक मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में छात्रों को हिंदी आम तौर पर तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाई जाएगी।

आदेश के अनुसार, यदि किसी स्कूल में प्रति कक्षा 20 छात्र किसी अन्य भारतीय भाषा का अध्ययन करना चाहते हैं, तो वे हिंदी से बाहर रह सकते हैं। यदि ऐसी मांग उठती है, तो या तो शिक्षक की नियुक्ति की जाएगी या भाषा को ऑनलाइन पढ़ाया जाएगा। पवार ने कहा, ₹कक्षा 1-4 के छात्रों पर हिंदी थोपना सही नहीं है। इस उम्र में मातृभाषा अधिक महत्वपूर्ण है।₹ उन्होंने कहा कि कक्षा 5 के बाद यह उनके हित में होगा, क्योंकि भारत में 55 प्रतिशत लोग हिंदी बोलते हैं। वरिष्ठ राजनेता ने कहा कि महाराष्ट्र के लोग हिंदी के विरोधी नहीं हैं।

शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे द्वारा घोषित विरोध प्रदर्शनों के बारे में पूछे जाने पर पवार ने कहा, अगर ठाकरे चाहते हैं कि सभी राजनीतिक दल विरोध प्रदर्शनों में शामिल हों, तो हमें इस मुद्दे पर उनका रुख और सटीक योजना जानने की जरूरत है। सेना (यूबीटी) और मनसे ने गुरुवार को कहा कि वे राज्य के छात्रों पर हिंदी थोपने के सभी प्रयासों का विरोध करेंगे और जोर देकर कहा कि यह सत्तारूढ़ सरकार द्वारा भाषा आपातकाल लगाने और मराठीपन को खत्म करने का प्रयास है। अलग-अलग प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने क्रमशः 7 और 5 जुलाई को विरोध प्रदर्शन की घोषणा की।

2029 विश्व पुलिस और फायर गेम्स की मेजबानी करेगा भारतः अमित शाह

नई दिल्ली, 27 जून। केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भारत को प्रतिष्ठित 2029 विश्व पुलिस और अग्निशमन खेलों के लिए मेजबान देश के रूप में नामित किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे प्रत्येक नागरिक के लिए बहुत गर्व का क्षण बताया। एक्स प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में, केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री ने कहा कि यह प्रत्येक नागरिक के लिए बहुत गर्व का क्षण है, क्योंकि भारत को प्रतिष्ठित 2029 विश्व पुलिस और अग्निशमन खेलों के लिए मेजबान देश के रूप में नामित किया गया है। शाह ने कहा कि भारत द्वारा इस आयोजन की मेजबानी जीतना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में निर्मित हमारे विशाल खेल बुनियादी ढांचे की वैश्विक मान्यता है। अहमदाबाद को इस आयोजन स्थल के रूप में चुना जाना, जो 50 से अधिक खेलों में प्रतिस्पर्धा करने के लिए पुलिस, अग्निशमन और आपदा सेवाओं को एक साथ लाता है, एक खेल गंतव्य के रूप में शहर के बढ़ते कद का प्रमाण है। इससे पहले गुजरात ने गुरुवार को 2029 विश्व पुलिस एवं अग्निशमन खेलों की मेजबानी का अधिकार जीत लिया है और यह आयोजन राज्य की राजधानी अहमदाबाद, गांधीनगर और एकता नगर में आयोजित किया जाएगा। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सफल बोली पर अपनी खुशी व्यक्त करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था) का सहारा लिया।

अगले सप्ताह पांच देशों की यात्रा शुरू करेंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली, 27 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह ब्राजील में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने और वैश्विक दक्षिण के कई प्रमुख देशों के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करने के लिए पांच देशों की यात्रा पर जाएंगे। मामले से परिचित लोगों ने यह जानकारी दी। नाम न बताने की शर्त पर लोगों ने बताया कि 2 जुलाई से शुरू होने वाली इस सप्ताह भर की यात्रा का मुख्य कार्यक्रम 6-7 जुलाई को रियो डी जेनेरियो में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में मोदी की भागीदारी होगी। ब्रिक्स समूह के दो महत्वपूर्ण सदस्यों के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए इसे ब्राजील की द्विपक्षीय यात्रा के साथ जोड़ा जाएगा।

ब्रिक्स के सदस्यों के बीच आर्थिक सहयोग को मजबूत करने के उपायों पर ध्यान केंद्रित करने के अलावा - यह ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, इंडोनेशिया और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को एक साथ लाता है - शिखर सम्मेलन में विश्व भर में संघर्षों के परिणामों पर चर्चा होने की उम्मीद है। सूत्रों ने बताया कि पिछले महीने पाकिस्तान के साथ हुई झड़पों के मद्देनजर भारतीय पक्ष सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ अपने अभियान के लिए ब्लॉक का समर्थन मांग सकता है। ब्रिक्स के वर्तमान अध्यक्ष ब्राजील ने शिखर सम्मेलन के लिए अपनी प्राथमिकताओं के रूप में सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय विकास के लिए वैश्विक दक्षिण सहयोग और साझेदारी को सूचीबद्ध किया है। रूस जैसे ब्रिक्स के अन्य सदस्य अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने के लिए घरेलू मुद्राओं में अधिक व्यापार निपटान के साथ वैकल्पिक भुगतान प्रणाली पर जोर दे रहे हैं। भारतीय पक्ष ने इस यात्रा को आगे बढ़ाने का फैसला किया है, बावजूद इसके कि ऐसी रिपोर्टें हैं कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दोनों के शिखर सम्मेलन में भाग लेने की उम्मीद नहीं है।

बारिश भी नहीं रोक पाई आस्था की बयार, रथयात्रा बना आस्था का महासंगम

- काशी : भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा में उमड़ा आस्थावानों का हुजूम
- ढोल-नगाड़े, पुष्पवर्षा और जयकारों से गूंज उठी काशी
- सुरक्षा के रहे कड़े इंतजाम

सुरेश गांधी

वाराणसी। काशी में लक्खा मेलों में शुमार भगवान जगन्नाथ की तीन दिवसीय भव्य रथयात्रा मेला शुक्रवार से श्रद्धा और उल्लास के साथ प्रारंभ हो गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र की विधिवत पूजा-अर्चना के बाद डोली से नगर भ्रमण की शुरूआत हुई। ढोल-नगाड़े, शंखध्वनि और पुष्पवर्षा के बीच भगवान का रथयात्रा मार्ग पर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान भगवान जगन्नाथ की एक झलक पाने के लिए आस्थावानों का रेला उमड़ पड़ा था. सायंकाल बारिश के बावजूद भक्तों का उत्साह कम नहीं हुआ। हजारों श्रद्धालु भगवान के दर्शन करने के लिए रथयात्रा मार्ग पर डटे रहे। रथ खींचने के लिए भक्तों में होड़ देखी गई। जगह-जगह ह्यजय जगन्नाथह्ल के जयकारों से वातावरण गूंजता रहा। सारा दिन श्रद्धालुओं का रेला, जय-जयकार और भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय बना रहेगा। रथयात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि काशी में यह एकता, प्रेम और सद्भाव का भी प्रतीक माना जाता है।भगवान जगन्नाथ अपने दिव्य अष्टकोणीय रथ पर सपरिवार नगर भ्रमण को निकले। रथयात्रा चौराहे पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। भक्त अपलक भगवान की मनोहारी छवि को निहारते रहे। भगवान का रथ पीले फूलों और वस्त्रों से भव्य रूप से सजाया गया। प्रथम दिन भगवान को पीत वस्त्र पहनाए गए और पीले भोज्य पदार्थों का विशेष भोग अर्पित किया गया, जिसमें पके कोहड़े की सब्जी, पूड़ी और हलवे का प्रसाद वितरित किया गया। पूरे मेला क्षेत्र की निगरानी के लिए 85 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। रथयात्रा चौराहे पर अस्थायी कंट्रोल रूम स्थापित कर पूरे आयोजन की लाइव मॉनीटरिंग की जा रही है। पुलिस बल व प्रशासन के अधिकारी लगातार भ्रमण कर सुरक्षा का जायजा ले रहे हैं।

भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के लिए सजाए गए भव्य लकड़ी के रथों को खींचने के लिए महिला, पुरुष, युवा और बुजुर्ग श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। भगवान जगन्नाथ 16 पहियों वाले नंदीघोष रथ पर विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देने निकले। भक्तों का मानना है कि रथ खींचने से पुण्य की प्राप्ति होती है और जीवन में सुख-शांति आती है।

आरएसएस नेता होसबोले के बयान पर भड़के राहुल गांधी

नई दिल्ली, 27 जून। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले द्वारा संविधान की प्रस्तावना से समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों को हटाने की मांग के बाद भारी राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया। आपातकाल के दौरान कांग्रेस सरकार द्वारा संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों को शामिल करने पर पुनर्विचार करने के होसबोले के कड़े आह्वान पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी नेताओं की ओर से तीखी प्रतिक्रिया हुई।

पूरे मामले को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी ट्वीट किया है। राहुल ने एक्स पर लिखा कि फ्रर का नकाब फिर से उतर गया। संविधान इन्हें चुभता है क्योंकि वो समानता, धर्मनिरपेक्षता और न्याय की बात करता है। उन्होंने आगे लिखा कि आरएसएस-भाजपा को संविधान नहीं, मनुस्मृति चाहिए। ये बहुजनों और गरीबों से उनके अधिकार छीनकर उन्हें दोबारा गुलाम बनाना चाहते हैं। संविधान जैसा ताकतवर हथियार उनसे छीनना इनका असली एजेंडा है। आरएसएस ये सपना देखना बंद करे - हम उन्हें कभी सफल नहीं होने देंगे। हर देशभक्त भारतीय आखिरी दम तक संविधान की रक्षा करेगा।

कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने एक्स पर लिखा कि आरएसएस ने हमेशा हमारे संविधान के मूल मूल्यों - धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद का विरोध किया है। अब, उनके नेता एक बार फिर कह रहे हैं कि इन शब्दों को प्रस्तावना से हटा दिया जाना चाहिए। यह कोई आकस्मिक टिप्पणी नहीं है - यह भारत के लोकतंत्र को उनकी वैचारिक छवि में नया रूप देने के लंबे समय से चले आ रहे एजेंडे का हिस्सा है। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि इस देश में अब अघोषित सेंसरशिप हो गई है। पिछले 11 सालों में भारत ने एक तरह की अघोषित इमरजेंसी का अनुभव किया है। कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि हमारी संवैधानिक संस्थाएँ कहाँ हैं? चुनाव आयोग की गतिविधियाँ क्या हैं? हर संवैधानिक संस्था पर भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी ने हमला किया है। संवैधानिक मूल्यों पर हमला किया गया है।

इसीलिए हम 'संविधान बचाओ यात्रा' निकाल रहे हैं, जो जिला स्तर पर लगभग 689 स्थानों को कवर कर चुकी है। अब हम विधानसभा क्षेत्र स्तर पर आगे बढ़ रहे हैं। यही वजह है कि भाजपा बैकफुट पर है। अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए वे ये सब नाटक करने की कोशिश कर रहे हैं।

ममता बनर्जी ने दीघा के नवनिर्मित जगन्नाथ मंदिर से निकलने वाले पहली रथ यात्रा की शुरूआत की

कोलकता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को दीघा के समुद्र तटीय नगर में नवनिर्मित जगन्नाथ मंदिर से निकलने वाले पहले रथ यात्रा की शुरूआत की। जय जगन्नाथ के जयघोष के बीच विदेशियों समेत हजारों श्रद्धालुओं के साथ मुख्यमंत्री ने दोपहर में भगवान जगन्नाथ और उनके भाई भगवान बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा के रथों की रस्सियां अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ मिलकर खींचीं। मुख्यमंत्री ने लाउडस्पीकर के माध्यम से श्रद्धालुओं से अपील की कि वे मुख्य मंदिर से निकलने वाली 750 मीटर लंबी रथयात्रा के दौरान रथों की रस्सियों को वहां लगाये गये अवरोधकों के पीछे से छू सकते हैं। दीघा के नवनिर्मित मंदिर से निकलने वाली भव्य रथ यात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं से कहा गया है कि वे इसके मार्ग के किनारे लगे अवरोधकों के पीछे ही खड़े रहें।

ताजमहल के गुंबद से टपकने लगा पानी, 6 महीने में होगा ठीक

नई दिल्ली। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा थर्मल स्कैनिंग के दौरान ताजमहल के गुंबद में 73 मीटर की ऊंचाई पर पानी के रिसाव का पता चला है। सूत्रों के अनुसार, एएसआई द्वारा निरीक्षण जारी रखने के लिए गुंबद को फिलहाल मचान में रखा गया है, जो 15 दिनों तक चलने की संभावना है। इसके बाद, विशेषज्ञ गुंबद पर मरम्मत का काम शुरू करेंगे, जिसे पूरा होने में लगभग छह महीने लगेंगे। सूत्रों ने दावा किया कि एएसआई द्वारा प्रेम के इस स्मारक की लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग जांच में तीन मुख्य मुद्दे सामने आए हैं।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करेः 9199355950

एससीओ में रक्षामंत्री का चीन-पाक को कड़ा संदेश

-ललित गर्ग

भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के पोर्ट सिटी किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को बेनकाब करते हुए संयुक्त घोषणापत्र में हस्ताक्षर करने से मना कर न केवल पाकिस्तान और चीन को नये भारत का कड़ा संदेश दिया, बल्कि दुनिया को भी जता दिया कि भारत आतंकवाद को पोषित एवं पल्लवित करने वाले देशों के खिलाफ अपनी लड़ाई निरन्तर जारी रखेगा। घोषणापत्र में बलोचिस्तान की चर्चा की गई थी किन्तु पहलगाम में क्रूर आतंकवादी हमले जिनमें धर्म पूछकर 26 लोगों को मारे जाने का कोई विवरण नहीं था। भारत की आतंकवाद को लेकर दोहरे मापदंड के विरुद्ध इस दृढ़ता एवं साहसिकता की चर्चा विश्वव्यापी हो रही है। भारत ने विश्व को आगाह कर दिया है कि अब आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरे मापदंड नहीं चलेंगे। राजनाथ सिंह के अडिगता एवं असहमति के इस कदम से एससीओ के रक्षामंत्रियों का सम्मेलन बिना संयुक्त वक्तव्य जारी किये ही समाप्त हो गया, जो पाकिस्तान एवं चीन के मुंह पर करारा तमाचा है। ऐसा होना भारत की ही जीत है और चीन-पाकिस्तान के लिये शर्मसार होने की घटना है। विशेषतः इस घटनाक्रम से चीन की बदनीयत एक बार फिर से उजागर हो गई है। भारत विश्व स्तर पर इस कोशिश में लगा रहता है कि आतंकवाद का दबाव कम हो, दुनिया आतंकमुक्त बने, निर्दोष लोगों की क्रूर आतंकी हत्याओं पर विराम लगे, पर दुर्भाग्य से दुनिया में अनेक देश अपना राजनीतिक नफा-नुकसान देखकर ही इस पर अपना रुख तय करते हैं। वास्तव में एससीओ की बैठक में भी यही हुआ है। त्रासद विडंबना है कि एससीओ में शामिल देशों ने भारत में पडोसी देश पाक की आतंक घटनाओं पर विसंगतिपूर्ण एवं दुर्भाग्यपूर्ण रवैया अपनाया। वास्तव में, यह एक और प्रमाण है कि पाक पोषित आतंकवाद संबंधी भारतीय शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। इस बीच, अमरनाथ यात्रा से ठीक एक सप्ताह पहले गुरुवार को उधमपुर जिले में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ सोचने पर मजबूर करती है। पाक की आतंकी हरकतें रुक नहीं रही हैं, अमरनाथ यात्रा पहले ही आतंकियों के निशाने पर रही है और इस बार भी आतंकियों के निशाने पर है, विगत तीन दशक से तनाव की स्थिति में ही अमरनाथ यात्रा हो रही है। सुरक्षा बल शांतिपूर्ण यात्रा के लिए प्रयासरत हैं लेकिन एससीओ जैसे संगठनों को पाक को सख्त हिदायत देते हुए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भारत में पाक समर्थित आतंकवाद रूकना चाहिए। निश्चित ही एससीओ सम्मेलन में भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह एक निडर एवं साहसिक नेता के रूप में उभरे। उन्होंने आतंकवाद की जड़ों पर प्रहार करने की भारत की नई नीति की रूपरेखा सम्मेलन में रखी। उनका कहना था कि संगठन के सदस्य देशों को आतंकवाद जैसी सामूहिक सुरक्षा से उत्पन्न चुनौती के मुकाबले के लिये एकजुट होना चाहिए। उनका मानना था कि कट्टरता, उग्रवाद और आतंकवाद दुनिया में शांति, सुरक्षा और विश्वास को कम कर रहे हैं। यह भी कि आतंकवाद पर तार्किक प्रहार किए बिना सदस्य देशों में शांति व समृद्धि संभव नहीं है। उन्होंने उन तत्वों को बेनकाब करने का प्रयास किया जो आतंकवाद को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिये उसे प्रश्रय देते हैं। उनका मानना था कि एससीओ आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अपनाने के बजाय इसको प्रश्रय देने वाले देशों की आलोचना करे, आतंकवाद को समाप्त करने की मुहिम में निष्पक्ष बने। यह भी अच्छा हुआ कि रक्षामंत्री इस पर भी अड़े रहे कि एससीओ में आतंक का समर्थन करने वाले देशों की निंदा एवं भर्त्सना होनी चाहिए। इसका अर्थ था कि पाकिस्तान को बख्शा न जाए, लेकिन चीन ने आशंका के अनुरूप ढिठाई एवं बदनियत ही दिखाई। चीन लगातार पाक के आतंकवाद पर सहयोगी दृष्टिकोण अपनाये हुए है। उसे आतंकवाद के खिलाफ सख्त होना चाहिए लेकिन वह पहले भी आतंकवाद के प्रति नरमी दिखा चुका है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में वह पाक के आतंकी सरगनाओं का बचाव कर चुका है। इससे उसकी बदनामी भी हुई थी, लेकिन उस पर कोई असर नहीं पड़ा। चीन आतंक को लेकर जितना संवेदनशील होना चाहिए, पाक के कारण वह उतना नहीं हो पा रहा है। इससे उनकी अन्तर्राष्ट्रीय छवि आहत हो रही है, लेकिन वह सुधरने को तैयार नहीं है। यह स्पष्ट है कि एससीओ में चीन-पाक के बीच बढ़ते शरारत भरे तालमेल पर भारत को इस संगठन में अपनी भूमिका को लेकर सतर्क एवं सावधान होना होगा। भारत को यह भी देखना होगा कि विस्तार ले रहे इस संगठन में अपनी महत्ता कैसे स्थापित करे। यह ठीक है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के मनमाने रवैये के कारण चीन भारत से संबंध सुधारना चाहता है और कुछ मामलों में अपना रुख बदलने के लिए विवश भी हुआ है, पर इसका यह मतलब नहीं कि वह भारत के हितों की अनदेखी करे या फिर अमेरिका एवं पश्चिम के अन्य देशों की तरह आतंकवाद पर दोहरा रवैया अपनाए और आतंक के समर्थक पाक का सहयोग एवं समर्थन जारी रखे। भारतीय नजरिये से देखें, तो अमेरिका और चीन, दोनों ही भारत में आतंकवाद के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। भूलना नहीं चाहिए, पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाक सैन्य जनरल का अपने भवन में भोज के साथ स्वागत किया है। ऐसे घटनाक्रमों से भारत के लिए संदेश साफ है कि वह आतंरिक स्तर पर आतंकियों के लिये अपने संघर्ष को तीखा धार दे। भारत को अपनी आर्थिक एवं सैन्य ताकत बढ़ानी होगी, तभी आतंकवाद को कुचला जा सकता है। आतंकवाद के खिलाफ इसे अकेले ही संघर्षरत रहना होगा।

दरअसल, एससीओ सम्मेलन में भारत चाहता था कि अंतिम दस्तावेज में आतंकवाद को लेकर भारतीय चिंताओं को जगह दी जाए। इसीलिये सम्मेलन में रक्षामंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की तार्किकता को बताया और पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहलगाम की घटना दुनिया के सामने स्पष्ट थी और दुनिया के तमाम देशों ने इसकी निंदा भी की। इसी से दो देशों के बीच युद्ध की नौबत आ गई, एससीओ सम्मेलन में उस हमले को तवज्जो न देने की रणनीति दरअसल हकीकत के साथ मखौल एवं दौगलापन है। लेकिन सम्मेलन में रक्षामंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जी-7 शिखर सम्मेलन में कही उन बातों को ही विस्तार दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों को कभी पुरस्कृत नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह आश्चर्य जताया था कि आतंक के अपराधियों और इसके पीड़ितों को एक तराजू में कैसे तोला जा सकता है? यह कड़ा संदेश प्रधानमंत्री ने अमेरिका को दिया था। पाक और चीन के कथित सहयोगियों के नापाक इरादों को दुनिया को बताने तथा भारत की बात हर देश तक पहुंचाने के लिए भारत ने बहु-पक्षीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर में भेजे। लेकिन पाक के सदाबहार दोस्त चीन के दबदबे वाले एससीओ सम्मेलन में पाक के आतंकी मनसूबों को लेकर स्पष्ट नजरिया बनना जरूरी है। एससीओ की घोषणा में अगर यह आरोप लगाया गया है कि बलूचिस्तान की गड़बड़ी में भारत शामिल है, तो फिर भारत को ज्यादा कड़ा रुख अख्तियार करने की जरूरत है। ऐसे झूठे एवं भ्रामक तथ्यों का प्रतिकार जरूरी है। ऐसे झूठ को फैलाकर ही पाक दुनिया से सहानुभूति जुटाता रहा है। इसलिये किसी भी ऐसे विश्व स्तरीय सम्मेलन में अपनी बात भी पुरजोर ढंग से तथ्यपरक तरीके से रखनी चाहिए। वहां पारित होने वाले प्रस्तावों के प्रति रक्षामंत्री की भांति ज्यादा संवेदनशील एवं सख्त होने की जरूरत है। भारत अपनी इसी नीति को दोहरा कर शत्रु मानसिकता वाले देशों को सबक दे सकेगा। पाक के प्रति भारत की सख्ती हर मोर्चे पर दिखाई दे। भले ही पाक हकीकत न देखने की गलती दोहराता रहे। अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी उद्देश्यों के लिए आतंकवाद को प्रायोजित, पोषित तथा प्रयोग करने वालों को इसके परिणाम भुगतने ही होंगे। ऐसा करते हुए वह कंगाल होने की कगार पर पहुंच चुका है, वह लगातार गरीबी और कमजोरी का शिकार हो रहा है। आतंकवाद को पोषित करते हुए यह देश अन्य देशों की दया पर आश्रित होता जा रहा है। लेकिन भीख में मिली दया या अनुदान से कब तक खुद को कायम रख पायेगा?

शुभांशु शुक्ला का एक कदमङ्क 41 वर्ष बाद भारत के लिए बड़ी छलांग

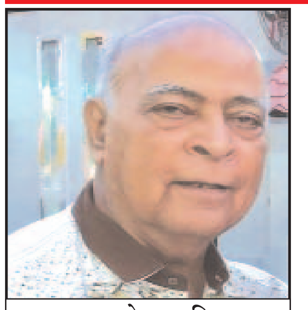

अशोक भाटिया

जब विंग कमांडर रिटायर्ड राकेश शर्मा अप्रैल 1984 में सोवियत अंतरिक्ष यान के जरिए अंतरिक्ष की यात्रा पर गए थे, तब ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का जन्म भी नहीं हुआ था। उनके जन्म से पहले ही राकेश शर्मा की यह उपलब्धि भारतीय जनमानस का हिस्सा बन चुकी थी – स्कूलों में सुनाई जाने वाली गर्व की एक कहानी.अब, 41 साल बाद, शुभांशु शुक्ला ने वही ऐतिहासिक कदम दोहराया है और अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले भारत के दूसरे नागरिक बन गए हैं। इन दो यात्राओं के बीच का लंबा अंतराल बहुत कुछ कहता है – बदलती प्राथमिकताओं, अंतरराष्ट्रीय समीकरणों और स्वदेशी क्षमताओं के धीरे-धीरे विकसित होने की कहानी.लेकिन अब हालात बदल गए हैं। जहां राकेश शर्मा को सोवियत मिशन का हिस्सा बनकर जाना पड़ा था क्योंकि भारत के पास तब अपना मानव अंतरिक्ष मिशन नहीं था, वहीं शुक्ला को आज उस समय भेजा जा रहा है जब भारत अपनी मानव अंतरिक्ष यात्रा की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा चुका है। भले ही शुक्ला का मिशन (अ३-4) अब भी अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी के तहत हुआ हो, लेकिन यह भारत के आत्मनिर्भर अंतरिक्ष अभियान के नए युग की शुरुआत का संकेत है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (क्रफ्ह) ने अब तक कई अहम तकनीकों को विकसित कर लिया है जो अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं – जैसे कि क्रू एस्केप सिस्टम का परीक्षण और ऊंचाई पर आपातकालीन रद्दीकरण का सफल प्रदर्शन। इस साल के अंत तक गगनयान मिशन के तहत पहला बिना मानव वाला परीक्षण प्रस्तावित है, जिसके बाद कई और परीक्षण किए जाएंगे ताकि इंसानों को सुरक्षित भेजने की तैयारी पूरी हो सके.अब हालात पहले जैसे नहीं हैं, जब भारत को मानव अंतरिक्ष यात्रा के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था. गगनयान मिशन पूरी तरह स्वदेशी है – यह मिशन 400 किलोमीटर की कक्षा तक यात्रियों को ले जाकर, सात दिनों तक उन्हें अंतरिक्ष में रखकर सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन किया गया है. इसमें कितने अंतरिक्ष यात्री भेजे जाएंगे और मिशन कितने दिन का होगा, इस पर अंतिम निर्णय बाद में लिया जाएगा. इसके लिए भारत के शक्तिशाली रॉकेट छ्श्ट3 को संशोधित किया गया है, जिसने पहले ही अपनी विश्वसनीयता साबित कर दी है.

रॉकेट के आसमान में प्रवेश करते ही भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुक्ला 1984 में राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले दूसरे भारतीय और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा करने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री बन गए। शुक्ला (39) के पास विभिन्न प्रकार के लड़ाकू जेट विमानों पर 2,000 घंटे से अधिक की उड़ान का अनुभव है।

लखनऊ में जन्मे शुक्ला इसरो-नासा समर्थित एक्सिओम स्पेस के वाणिज्यिक अंतरिक्ष यान का हिस्सा हैं, जो फ्लोरिडा स्थित कैनेडी स्पेस सेंटर से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए 14 दिन की यात्रा पर रवाना हुआ है। लाखों लोग अंतरिक्ष में उड़ने का सपना देखते हैं और शुक्ला जैसे कुछ लोग इसे साकार कर पाते हैं।उनकी बड़ी बहन शुचि शुक्ला को याद है कि यह सब कब शुरू हुआ था।उन्होंने कहा, ह्यह्यबचपन में वह एक बार एयर शो देखने गया था। बाद में उसने मुझे बताया कि वह विमान की गति और ध्वनि से कितना मोहित हो गया था। फिर उसने उड़ने के अपने सपने के बारे में बताया, लेकिन निश्चित रूप से उस समय कोई नहीं बता सकता था कि वह अपने सपने को कितनी जल्दी पूरा करेगा। शुचि ने प्रक्षेपण से पहले पीटीआई-भाषा से कहा, एक भारतीय और उसकी बहन के तौर पर यह निश्चित रूप से बहुत गर्व का क्षण है, क्योंकि मेरे भाई की अंतरिक्ष यात्रा में एक अरब भारतीयों की उम्मीदें और आशीर्वाद है।

गौरतलब है कि पिछले दो-तीन दशकों में, भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को इसकी आर्थिक प्रगति द्वारा उजागर किया गया है। अधिकतम आत्मनिर्भरता ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भूमिका निभाई है। भारत ने 2023-24 में अन्य देशों के कुल 11 कृत्रिम और नौ उपग्रह लॉन्च किए हैं। भारत एक तीर से 20 उपग्रहों को लॉन्च करने वाला पहला देश है। उपग्रह प्रक्षेपण के अलावा, भारतीय मूल की महिला अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स नौ महीने से अधिक समय तक अंतरिक्ष में रहीं। इसके बाद वे धरती पर लौट आए थे। लंबे इंतजार के बाद, फाल्कन रॉकेट भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ Axiom IV मिशन के हिस्से के रूप में अंतरिक्ष के लिए रवाना हुआ। टीम का नेतृत्व अनुभवी कमांडर पेगी व्हिटसन कर रहे हैं, जिनके साथ हंगरी के टिबोर कैपू और पोलैंड के स्लोवोज विस्निवस्की हैं। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए स्पेसएक्स के स्वयंसिद्ध मिशन 4 (अ-4) के हिस्से के रूप में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए 14 दिवसीय मिशन शुरू किया। वह मिशन के पायलट हैं और उन्होंने 25 जून, 2025 को सुबह 12:01 बजे ड्रैगन को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। यह मिशन एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है क्योंकि शुभांशु अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय और आईएसएस का दौरा करने वाले पहले व्यक्ति हैं। स्वयंसिद्ध मिशन 4 क्रर का निजी अंतरिक्ष यात्री मिशन है। उनकी उड़ान देश के अंतरिक्ष इतिहास में एक नए अध्याय की शुरूआत का प्रतीक है। यह मिशन भारत को अंतरिक्ष की दुनिया में निर्णायक भूमिका में वापस लाएगा। इसरो ने इस मिशन के लिए अनुमानित 550 करोड़ रुपये खर्च किए हैं और शुभांशु अंतरिक्ष स्टेशन में सात स्वतंत्र वैज्ञानिक प्रयोग करेंगे। दालों की अंकुरण प्रक्रिया, मानव कोशिकाओं पर गुरुत्वाकर्षणहीनता के प्रभाव और चावल, टमाटर और बैंगन के बीजों पर गुरुत्वाकर्षण वातावरण के प्रभाव का अध्ययन। शुक्ला भारतीय वायु सेना के एक सम्मानित परीक्षण पायलट हैं। वह 17 जून, 2006 को वायु सेना के युद्ध क्षेत्र में शामिल हुए। वह 17 जून, 2006 को क्अत्रयुद्ध क्षेत्र में शामिल हुए। उन्होंने सुखोई -30 टङ्क, मिग -21, मिग -29, उन्होंने जगुआर, हॉक, डोर्नियर और ठ-32 सहित विभिन्न विमान उड़ाए हैं। वे अब अंतरिक्ष में जाने वाले पांचवें भारतीय बन गए हैं। वह गगनयान मिशन में भाग लेने वाले मुख्य दावेदारों में से एक हैं। 10 अक्टूबर 1985 को लखनऊ में जन्मे, शुक्ला ने पुणे में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से स्नातक की उपाधि प्राप्त की और बेंगलुरु में भारतीय विज्ञान संस्थान में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग का अध्ययन किया। इसलिए मैंने प्रशिक्षण लिया। विंग कमांडर राकेश शर्मा की 1984 में ऐतिहासिक उड़ान के 41 साल बाद भारत एक बार फिर मानव मिशन के तहत एक भारतीय को अंतरिक्ष में भेज रहा है। मिशन के बारे में शुभांशु शुक्ला गर्व से कहते हैं, 'मैंने स्कूल की किताबों में राकेश शर्मा जी के बारे में पढ़ा था, उनके अनुभवों ने मुझे प्रेरित किया। आज मैं भी उस रास्ते पर हूं। यह मेरे लिए गर्व और जिम्मेदारी की बात है। राकेश शर्मा ने 3 अप्रैल, 1984 को सोयूज टी -11 अंतरिक्ष यान लॉन्च किया था। यह सोवियत संघ के साथ एक संयुक्त मिशन था। जिसमें राकेश शर्मा अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय बने। हमारे चुनौतीपूर्ण मिशन पर खुशी व्यक्त करते हुए, शुभांशु शुक्ला ने कहा, ३मैं भारत के लोगों के साथ अपने अनुभव साझा करने के लिए तैयार हूं। मैं देश के विभिन्न हिस्सों से सांस्कृतिक वस्तुओं को अंतरिक्ष में ले जाने की योजना बना रहा हूं।

मैं अंतरिक्ष स्टेशन पर भी योग करना चाहता हूं। राकेश शर्मा की अंतरिक्ष यात्रा के बाद दशकों में पहली बार, एक भारतीय पायलट क्रर का मिशन कर रहा है। ठअरअ और क्रफ्ह का यह संयुक्त मिशन अंतरिक्ष अनुसंधान का पता लगाएगा और नई तकनीकों का परीक्षण करेगा। शुभांशु मानव स्वास्थ्य और अंतरिक्ष में जीवन पर प्रभाव का अध्ययन करेंगे। पृथ्वी से अंतरिक्ष में भोजन भेजना एक महंगा और मुश्किल काम है। इसलिए, मिशन अंतरिक्ष में भोजन का उत्पादन करने के लिए मूंग और मेथी की फसलों के साथ प्रयोग करेगा। यह किया जाएगा। भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान माइक्रोग्रैविटी में छह प्रकार के फसल बीजों का परीक्षण करेगा। बीज पृथ्वी पर लौटने पर अपने आनुवंशिकी में परिवर्तन का निरीक्षण करने और भविष्य की अंतरिक्ष खेती के लिए सबसे उपयुक्त गुणों का चयन करने के लिए भी लगाए जाएंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि यह शोध भविष्य में मंगल और चंद्रमा मिशनों पर खाद्य उत्पादन में क्रांति ला सकता है।

पृथ्वी की परिक्रमा करने वाले पुराने उपग्रह, रॉकेट के पुर्जे और अन्य मलबे अंतरिक्ष मलबे को बढ़ा रहे हैं, जो भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों और उपग्रहों के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। अंतरिक्ष में रहने से मानव शरीर पर कई नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं, जैसे हड्डी और मांसपेशियों में कमजोरी, दृष्टि और प्रतिरक्षा की हानि। हमें अंतरिक्ष में भोजन और पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करनी होगी। अंतरिक्ष में, वातावरण (जैसे, विकिरण) का मानव शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है। इसके लिए अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष स्टेशनों पर चिकित्सा सुविधाओं और आपात स्थितियों को संभालने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। आपका शरीर कम गुरुत्वाकर्षण वाले वातावरण के लिए नहीं बना है। हमारी मांसपेशियां, हड्डियां, हृदय और अन्य प्रणालियां पृथ्वी की तुलना में अंतरिक्ष में अलग तरह से काम करती हैं, जिससे अंतरिक्ष में स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। कम गुरुत्वाकर्षण के दीर्घकालिक प्रभावों में हड्डी और मांसपेशियों की क्षति शामिल है।

अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण की कमी के कारण हड्डी विकास प्रणाली टूट जाती है। अंतरिक्ष यात्री आमतौर पर माइक्रोग्रैविटी में अपने शरीर का समर्थन करने के लिए कुछ मांसपेशी समूहों का उपयोग नहीं करते हैं। इससे कम समय में व्यापक मांसपेशी क्षति होती है। क्रफ्ह पहले मानवयुक्त भारतीय अंतरिक्ष वाहन पर भी काम कर रहा है। यह तीन अंतरिक्ष यात्रियों को सात दिनों के लिए पृथ्वी की निकट-पृथ्वी की कक्षा में ले जाएगा। अंतरिक्ष यान का अस्थायी नाम कक्षीय वाहन होगा। कैप्सूल तीन यात्रियों के साथ तीन यात्रियों को ले जाएगा। पहले मानवयुक्त मिशन में, इसरो का स्वायत्त और तीन टन का कैप्सूल सात दिनों के लिए दो अंतरिक्ष यात्रियों के साथ 248 मील (399 किमी) की ऊंचाई पर पृथ्वी की परिक्रमा करेगा।

रील व बॉलीवुड की पहली पसंद बनती जा रही मोक्ष नगरी काशी

-सुरेश गांधी

वाराणसी, जिसे काशी और बनारस के नाम से भी जाना जाता है, सदियों से आध्यात्म, मोक्ष और सनातन संस्कृति का केंद्र रहा है। हर दिन यहां लाखों श्रद्धालु गंगा स्नान, मंदिर दर्शन और अध्यात्म की खोज में आते हैं। लेकिन अब यह नगरी फिल्मों के डायरेक्टर्स, प्रोड्यूसर्स और कलाकारों की भी पहली पसंद बनती जा रही है। जहां नोएडा में उत्तर प्रदेश सरकार एक भव्य फिल्म सिटी का निर्माण कर रही है, वहीं बनारस बिना कृत्रिम सजावट के, अपने आप में एक प्राकृतिक फिल्म सिटी साबित हो रहा है। काशी की संकरी गलियां, चाय की दुकानों पर बैठकी, गंगा के घाटों की जीवंतता, नाव की सैर, काशी विश्वनाथ मंदिर की आभा और गंगा आरती का अद्भुत दृश्य, यह सब कैमरे के लेंस में अपने आप जीवंत हो जाते हैं। डायरेक्टरों के लिए काशी सिर्फ एक लोकेशन नहीं, बल्कि एक कहानी है जो खुद बोलती है।

खास यह है कि एक दो नहीं कई फिल्मों ने बनारस को बड़े पर्दे पर अमर किया, उनमें रांझणा (2013)ः धनुष और सोनम कपूर की यह फिल्म बनारस की गलियों और घाटों में पूरी तरह रची-बसी थी। फिल्म में बनारस की आत्मा को बखूबी दिखाया गया। मसान (2015) की इस फिल्म ने बनारस के घाटों, श्मशानों और स्थानीय जीवन को इतनी गहराई से दिखाया कि इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहा गया। बत्ती गुल मीटर चालू (2018) की इस फिल्म में शाहिद कपूर और श्रद्धा कपूर की जोड़ी में भी वाराणसी के रंग और अंदाज देखने को मिले। मिलन टॉकीज (2019) की इस फिल्म में भी तिग्मांशु धूलिया द्वारा बनारस की गलियों और घाटों को बड़े ही सधे अंदाज में दशार्या गया. लखनऊ सेंट्रल (2017), भले ही नाम लखनऊ का हो, लेकिन इसके कई महत्वपूर्ण दृश्य वाराणसी में शूट हुए थे। मिजार्पुर (वेब सीरीज) वाराणसी और आसपास के क्षेत्रों में फिल्माई गई यह सीरीज दुनिया भर में सुपरहिट हुई, जिसने बनारस के आसपास के इलाके को भी रील वर्ल्ड का हिस्सा बना दिया।

इसकी बड़ी वजह बॉलीवुड कलाकारों का बनारस से विशेष लगाव माना जाता है। हाल के वर्षों में कई बड़े कलाकार बनारस आते रहे हैंः उनमें अक्षय कुमार कई बार काशी विश्वनाथ में दर्शन कर चुके हैं, हाल में रामसेतु के प्रमोशन के दौरान भी बनारस पहुंचे थे। आयुष्मान खुराना ड्रीमगर्ल 2 के लिए काशी में शूटिंग की और बनारसी लोगों के अपनत्व से प्रभावित हुए। सारा अली खान लगातार काशी में दर्शन-पूजन और शूटिंग के लिए आती रही हैं। उनका बनारस प्रेम उनके सोशल मीडिया पोस्ट्स में भी झलकता है। विक्की कौशल और सारा अली खान अपनी फिल्म जरा हटके जरा बचके के प्रमोशन के दौरान भी बनारस पहुंचे थे। अजय देवगन भोला फिल्म के लिए वाराणसी के घाटों और मंदिरों में शूटिंग की थी। उत्तर प्रदेश सरकार फिल्म पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए वाराणसी को विशेष रूप से प्रमोट कर रही है। फिल्मों की शूटिंग के लिए अनुमति की प्रक्रिया को सरल किया गया है और शूटिंग करने वाले फिल्मकारों को प्रशासनिक सहायता भी दी जा रही है।

स्थानीय लोगों का भी फिल्मों के प्रति सहयोगी रवैया देखने को मिला है, जिससे शूटिंग टीमों को सहज वातावरण मिलता है। कहा जा सकता है बनारस अब धीरे-धीरे ह्लयूपी की फिल्म सिटीह्व के रूप में उभर रहा है। आने वाले समय में यहां फिल्मी पर्यटन को भी एक नई दिशा मिलेगी। गंगा घाटों पर फिल्म टूर, शूटिंग लोकेशन वॉक और बॉलीवुड थीम पर आधारित कैफे आदि की भी संभावनाएं बन रही हैं। वाराणसी व्यापार मंडल के अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा कहते है बनारस, जो हजारों साल से मोक्ष का मार्ग माना जाता था, अब बॉलीवुड की रचनात्मकता का मार्ग भी बनता जा रहा है। जहां कभी सिर्फ भक्ति और आध्यात्म की गूंज थी, वहां अब कैमरों की रीलें, क्लैप बोर्ड की आवाजें और फिल्मी संवाद भी गूंजने लगे हैं। काशी अब रियल से रील तक की यात्रा में एक चमकता सितारा बन चुका है। इसकी बड़ी वजह यहां कुछ भी सेट बनाने की जरूरत नहीं पड़ती। हर गली, हर मकान, हर घाट अपने आप में एक जीवंत लोकेशन है। गंगा आरती, नावों की कतार, मंदिरों की घंटियां और चाय की दुकानें सब कुछ इतना वास्तविक है कि डायरेक्टर इसे वैसा का वैसा ही अपने पर्दे पर उतारना चाहते हैं। उनका कहना है कि नोएडा में भले ही फिल्म सिटी का ढांचा खड़ा हो रहा है, लेकिन काशी बिना किसी कृत्रिम सेटअप के खुद में एक भव्य लोकेशन है। यही कारण है कि काशी अब यूपी की फिल्म सिटी के रूप में उभर रही है, जहां नाटकीयता और यथार्थ अपने आप में समाहित हैं। या यूं कहे बनारस अब धीरे-धीरे यूपी की फिल्म सिटी के रूप में उभर रहा है। आने वाले समय में यहां फिल्मी पर्यटन को भी एक नई दिशा मिलेगी। गंगा घाटों पर फिल्म टूर, शूटिंग लोकेशन वॉक और बॉलीवुड थीम पर आधारित कैफे आदि की भी संभावनाएं बन रही हैं। हाल ही में बनारस में शूट हुई बड़ी फिल्में और वेब सीरीज इसके जीवंत उदाहरण है। रांझणा की सफलता के बाद, आनंद एल राय और धानुष की जोड़ी फिर बनारस लौटी और फिर से प्रमुख सीन घाटों पर फिल्माए, इस बार अभिनेत्री कृति सानून के साथ। यह फिल्म 28 नवम्बर 2025 को रिलीज होगी, और गाने एआर रहमान ने तैयार किए हैं। अजय देवगन की निर्देशित भोला में अमाला पौल ने बनारसी औरत का किरदार निभाया। यह फिल्म 2025 में रिलीज होगी, जिसमें कथित तौर पर अभिषेक बच्चन भी कैमरों में नजर आ सकते हैं। मधोक फिल्म की शूटिंग जनवरी 2024 में शुरू हुई, और राजकुमार राव व वामिका गब्बी सहित संजय मिश्रा, रघुबीर यादव जैसे कलाकार दिखाई देंगे। मिड-अप्रैल तक वाराणसी में सांग दृश्य फिल्माए गए। राजकुमार राव अभिनीत एक गैंगस्टर थ्रिलर, जिसका एक हिस्सा 2024 में वाराणसी में फिल्माया गया था। यह फिल्म 11 जुलाई 2025 को रिलीज हो रही है।

बंगाली प्रोजेक्ट ऐकेन बनारस ऐ बिभिषिकाय फिल्म 2025 में बनारस के घाटों, गलियों और संस्कृति को प्रमुखता देती है। 18 मार्च को पहला लुक जारी हुआ, और मई तक ट्रेलर भी जारी हो चुका है। बंगाली देशी रोमांटिक फिल्म दर्द 2023 में वाराणसी में शूट हुआ यह फिल्म बांग्लादेशी स्टार जरीब खान और सोनल चैहान अभिनीत है। जहां तक कलाकारों की हालिया यात्राएं और अनुभव की बात है तो विजय वर्मा कहते है वाराणसी में एक अनटाइटल्ड परियोजना पर शूटिंग के बीच घाटों पर आरती, लोक स्वाद और शहर की ऊर्जा का अनुभव मिया। उत्कर्ष शर्मा द्वारा जर्नी नामक फिल्म की वाराणसी में मुहूर्त पूजा हुई, इसमें नाना पाटेकर भी शामिल हैं। उन्हें यहां की ह्लदिव्य ऊर्जाह्व मिली। इसमें सरकार और स्थानीय लोगों का खासा सहयोग बताया जा रहा है। यूपी सरकार की ह्लफिल्म फ्रेंडलीह्व नीतिः शूटिंग परमिट आसान, प्रशासनिक सहायता तेज और स्थानीय लोगों का सहयोग लगातार मिलता रहा है। इसी वजह से बनारस सहज लोकेशन बनारिस फिल्मेस की प्राथमिकता में शामिल है। आने वाले दिनों में कई फिल्में रिलीज होने वाली है, जिनमें तेरे इश्क में 28 नवंबर 2025, मालिक 11 जुलाई 2025, भोला 2025, दी एकेन बनारस विभिषिका प्रमुख है. खास यह है कि यहां लोकेशन की अनोखी ताकत हैः बनारस खुद एक ह्लझूठा फिल्म सिटीह्व है, क्योंकि इसे तैयार करने के लिए सेट की कोई आवश्यकता नहीं, सब कुछ यथार्थ में मौजूद है। घाट, गलियां, मंदिर, नावें हर दृश्य में आत्मा है। या यूं कहे बॉलीवुड लोकेशन वॉक और थीम-आधारित कैफे की स्थापना हर रास्ते में दिखती है।

बनारस, जो हजारों साल से मोक्ष का मार्ग माना जाता था, अब बॉलीवुड की रचनात्मकता का मार्ग भी बनता जा रहा है। जहां कभी सिर्फ भक्ति और आध्यात्म की गूंज थी, वहां अब कैमरों की रीलें, क्लैप बोर्ड की आवाजें और फिल्मी संवाद भी गूंजने लगे हैं। काशी अब रियल से रील तक की यात्रा में एक चमकता सितारा बन चुका है। मतलब साफ है बनारस, वह शहर जो आध्यात्म और संस्कृति की राजधानी माना जाता है, अब बॉलीवुड की नजरों में भी बसता जा रहा है। धर्म, पर्यटन और इतिहास से सजी इस नगरी की गलियां, घाट, मंदिर और यहां का जीवंत जनजीवन अब रील लाइफ की नई पसंद बन चुका है. वाराणसी की खास बात यह है कि यहां कुछ भी सेट बनाने की जरूरत नहीं पड़ती। हर गली, हर मकान, हर घाट अपने आप में एक जीवंत लोकेशन है। गंगा आरती, नावों की कतार, मंदिरों की घंटियां और चाय की दुकानें सब कुछ इतना वास्तविक है कि डायरेक्टर इसे वैसा का वैसा ही अपने पर्दे पर उतारना चाहते हैं

तीश के जातीय गढ़ में बसपा की घुसपैठ क्या कुर्मी-कोइरी संग बन पाएगा नया समीकरण?

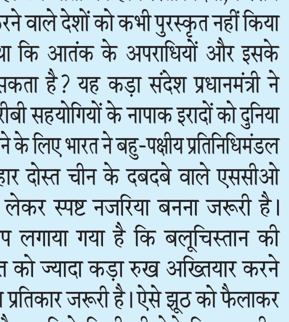

-संजय सक्सेना

बिहार की सियासत में चुनावी बिसात बिछ चुकी है। हर दल अपनी-अपनी गोटियां चला रहा है और समीकरणों की जोड़-घटाव में दिन-रात जुटा है। लेकिन इस बार जो सबसे चौंकाने वाली और साहसी एंट्री हुई है, वह बहुजन समाज पार्टी की है। मायावती की पार्टी ने अब तक बिहार में बड़ी भूमिका नहीं निभाई, लेकिन अब पार्टी के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद की एंट्री ने कई सियासी समीकरणों को झकझोर कर रख दिया है।पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती पर हुए सम्मेलन में आकाश आनंद ने साफ कर दिया कि बसपा अब बिहार में दलितों के साथ-साथ कुर्मी और कोइरी जातियों को साधने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी। उन्होंने बसपा के 2025 विधानसभा चुनाव में सभी 243 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की घोषणा भी कर दी। लेकिन अब सवाल यह है कि क्या बसपा सचमुच बिहार की सियासत को प्रभावित कर सकती है? या फिर यह भी एक चुनावी शिगूफा बनकर रह जाएगी? सवाल बड़ा है और जवाब उससे भी ज्यादा पेचीदा।

बिहार की राजनीति में लव-कुश समीकरण शब्द पहली बार नीतीश कुमार के राजनीतिक अभियान में प्रमुखता से सामने आया था। लव यानी कुशवाहा (कोइरी) और कुश यानी कुर्मी जाति का गठबंधन। नीतीश खुद कुर्मी जाति से आते हैं और उन्होंने कुशवाहा समाज के नेताओं के साथ मिलकर एक मजबूत सामाजिक समीकरण खड़ा किया, जिसने उन्हें 2005 में लालू यादव की सत्ता से बेदखल करने में मदद दी। यह समीकरण दो दशकों से नीतीश की राजनीति की बुनियाद बना हुआ है। लेकिन अब समय बदल रहा है। बीजेपी ने सम्राट चौधरी जैसे कुशवाहा नेता को बिहार प्रदेश अध्यक्ष बनाकर इस समीकरण में सेंध लगाने की कोशिश की है। वहीं उपेंद्र कुशवाहा भी एक बार फिर राजनीति में सक्रिय हैं और खुद को लव-कुश के नए प्रतीक के तौर पर पेश कर रहे हैं ।ऐसे में बसपा ने इस दरार का फायदा उठाने की रणनीति बनाई है। आकाश आनंद ने ठीक उसी बिंदु पर निशाना साधा है, जिससे नीतीश कुमार को सबसे ज्यादा चोट लग सकती है।

आकाश आनंद ने अपने पूरे भाषण में छत्रपति शाहूजी महाराज को सामाजिक न्याय का प्रतीक बनाकर पेश किया। उन्होंने बताया कि कैसे शाहूजी महाराज ने अपने शासन में 50% आरक्षण लागू किया और समाज के दलित व पिछड़े तबकों को सम्मान दिलाया। यह सिर्फ इतिहास का संदर्भ नहीं था। यह एक गहरी रणनीति थी। शाहूजी महाराज खुद कुर्मी जाति से आते थे और बसपा ने उन्हें आगे कर कुर्मी समाज को भावनात्मक रूप से जोड़ने की कोशिश की है। यही नहीं, बसपा के बिहार प्रदेश अध्यक्ष अनिल कुमार भी कुर्मी जाति से हैं। यानी एक जातीय पहचान के जरिए पूरे समुदाय को जोड़ा जा रहा है, और दलितों के साथ कुर्मी वोटबैंक को जोड़ने की जमीन तैयार की जा रही है। यह वही सामाजिक इंजीनियरिंग है जो मायावती ने उत्तर प्रदेश में की थी। वहां उन्होंने दलितों के साथ कुर्मी, कोइरी और अति पिछड़ी जातियों को जोड़कर एक व्यापक बहुजन गठबंधन खड़ा किया था और 2007 में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई थी। बिहार की कुल जनसंख्या में अनुसूचित जातियों की आबादी करीब 16% है। कुर्मी समाज लगभग 2.5% और कोइरी यानी कुशवाहा जाति लगभग 5% मानी जाती है। यानी कुल मिलाकर करीब 23-24% वोटर ऐसे हैं, जो इस बसपा के सामाजिक समीकरण का हिस्सा बन सकते हैं।अगर बसपा इस वोट बैंक का आधा भी अपने पक्ष में करने में सफल रही, तो वह चुनावी नतीजों को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है। हालांकि, यह भी सच है कि बिहार में बसपा की जमीनी पकड़ बेहद कमजोर है। पार्टी अब तक कोई बड़ा जनाधार नहीं बना सकी है।लेकिन यही वजह है कि अब संगठन को मजबूत करने की कवायद शुरू हो चुकी है। आकाश आनंद के नेतृत्व में पार्टी ने हर जिले में सम्मेलन, समीक्षाएं और बूथ स्तर की बैठकों का सिलसिला शुरू कर दिया है।

बसपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि क्या वह खुद को सिर्फ उत्तर प्रदेश तक सीमित रहने वाली पार्टी के बजाय एक राष्ट्रीय ताकत के तौर पर स्थापित कर पाएगी? बिहार में चुनाव लड़ना और जीतना दो अलग चीजें हैं। खासकर तब, जब वहां पहले से ही आरजेडी, जेडीयू और बीजेपी जैसी मजबूत पार्टियां मौजूद हों।दूसरी चुनौती यह है कि बसपा के जितने भी विधायक अब तक बिहार में जीतकर आए, उन्होंने बाद में दूसरी पार्टियों का दामन थाम लिया। संगठनात्मक स्तर पर बसपा की स्थिति कमजोर रही है तीसरी चुनौती यह है कि बिहार की राजनीति में स्थानीय चेहरे बेहद मायने रखते हैं। लोगों को जमीन से जुड़े नेता चाहिए, जो उनके मुद्दों को उठाएं। आकाश आनंद अभी एक बाहरी चेहरे के रूप में देखे जा रहे हैं। उन्हें खुद को बिहार की मिट्टी का नेता साबित करना होगा।

हालांकि, मायावती के पास अनुभव है और आकाश आनंद के पास ऊर्जा। अगर इन दोनों का संतुलन बना, तो बसपा न सिर्फ जातीय समीकरणों में सेंध लगा सकती है, बल्कि खुद को एक नए विकल्प के रूप में भी स्थापित कर सकती है।नीतीश कुमार के लिए यह सबसे गंभीर खतरा है। अगर बसपा ने कुर्मी और कोइरी वोट बैंक में सेंध लगा दी, तो उनके लिए सत्ता बचा पाना मुश्किल हो जाएगा। बीजेपी पहले ही इस वोट बैंक में घुसपैठ कर रही है, और अब बसपा की एंट्री से मुकाबला त्रिकोणीय हो जाएगा।आरजेडी को भी चिंता है कि कहीं पिछड़े वोटों का एक हिस्सा बसपा की ओर न खिसक जाए। दलित वोटरों में भी बदलाव की संभावना है, खासकर उन इलाकों में जहां मायावती की नीतियों का असर रहा है।

बसपा की इस बार की रणनीति साफ है जातियों को जोड़ो, सामाजिक न्याय की बात करो, और खुद को एक वैकल्पिक ताकत के रूप में स्थापित करो। यह प्रयोग नया नहीं है, लेकिन बिहार की राजनीति में इस बार अगर मायावती की बसपा लव-कुश समीकरण को तोड़ने में सफल हुई, तो यह 2025 के चुनाव नतीजों को पूरी तरह बदल सकता है अब देखना यही है कि क्या आकाश आनंद बिहार की सियासत में नई लकीर खींच पाएंगे या फिर यह भी एक असफल प्रयोग बनकर रह जाएगा। लेकिन इतना तय है कि बसपा की हुंकार ने नीतीश, लालू और बीजेपी के खेमे में बेचैनी जरूर बढ़ा दी है।

उद्योगपति शारदा प्रसाद सिंह के पुत्र भानु प्रताप सिंह का निधन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्तर भारतीय संघ के कार्याध्यक्ष तथा उद्योगपति शारदा प्रसाद सिंह के पुत्र भानु प्रताप सिंह का कल ब्रेन हेमरेज की वजह से आकस्मिक निधन हो गया। उनका दाह संस्कार आज 28 जून को दोपहर 2 बजे घाटकोपर स्मशान भूमि पर किया जाएगा। वे अत्यंत विनम्र, शालीन और मिलनसार प्रवृत्ति के व्यक्ति थे। साथ ही वे उत्तर भारतीय संघ के सक्रिय सदस्य भी थे। राहुल एजुकेशन के चेयरमैन लल्लन तिवारी, पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपा शंकर सिंह, उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष संतोष आरएन सिंह, उद्योगपति ज्ञान प्रकाश सिंह, उद्योगपति चित्रसेन सिंह, संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राधेश्याम तिवारी, उपाध्यक्ष संजय सिंह, उपाध्यक्ष डॉ किशोर सिंह, महासचिव देवेंद्र तिवारी, डॉ राजेंद्र प्रसाद सिंह, मुंबई भाजपा प्रवक्ता उदयप्रताप सिंह, समाजसेवी जयप्रकाश सिंह, श्री सिद्धिविनायक मंदिर न्यास के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, समाजसेवी अखिलेश सिंह, ब्रह्मदेव सिंह, उत्तर भारतीय मोर्चा के जिलाध्यक्ष सुरेश सिंह, पत्रकार राजकुमार सिंह, श्रीनिवास तिवारी विद्रोही महाराज समेत अनेक लोगों ने गहरा दुख प्रकट करते हुए उनकी आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की है।

न्यूयॉर्क और लंदन की तरह कोई खान न बनने पाए मुंबई का मेयर: अमीत साटम

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आगामी बीएमसी चुनाव से पहले शहर का राजनीतिक तापमान तेज होता दिखाई दे रहा है। इस बीच भाजपा विधायक अमीत साटम ने मुंबईकरों से ₹जागो मुंबईकर जागो₹ की अपील करते हुए चेतावनी दी है कि यदि समय रहते चेतावनी नहीं ली गई, तो न्यूयॉर्क और लंदन की तरह कोई 'खान' मुंबई का मेयर बन सकता है। विधायक अमीत साटम ने एक यूट्यूब चैनल के पॉडकास्ट के दौरान यह टिप्पणी की। बातचीत के दौरान उन्होंने दावा किया कि मुंबई एक गंभीर मोड़ पर खड़ी है और बीएमसी चुनाव के नतीजों के आधार पर शहर किसी भी दिशा में जा सकता है। विधायक अमीत साटम ने कहा, ₹अगर बीएमसी की सत्ता ऐसे लोगों के हाथ में चली गई, जिनके लिए आतंकी समर्थक प्रचार करते हैं और जिनकी रैलियों में पाकिस्तानी झंडे लहराए जाते हैं, तो बीएमसी के हर वार्ड में एक हारून खान होगा, मुंबई की हर सड़क मोहम्मद अली रोड बन जाएगी और हर मुंबईकर के दरवाजे पर शरीफुल इस्लाम शहजाद जैसा कोई बांग्लादेशी खड़ा मिलेगा। यहां तक कि कोई खान मुंबई का मेयर भी बन सकता है। अमेरिका की हाल की घटनाओं की पृष्ठभूमि में उन्होंने यह बयान दिया। मंगलवार रात को जोहरान ममदानी को न्यूयॉर्क शहर के डेमोक्रेटिक मेयर पद की प्राथमिक चुनाव में विजेता घोषित किया गया।

डॉक्टर्स डे पर रोटरी क्लब ऑफ बोईसर - तारापुर द्वारा 1 जुलाई को रक्तदान शिविर का आयोजन

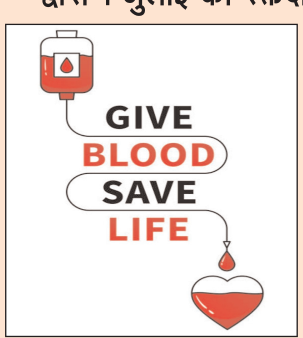

पालघर(उत्तरशक्ति)। आपका एक यूनिट रक्त, किसी के जीवन की आखिरी उम्मीद हो सकता है! रोटरी क्लब ऑफ बोईसर - तारापुर द्वारा डॉक्टर्स डे के अवसर पर 1 जुलाई 2025 को बोईसर स्थित टीमा हॉल में भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया जायेगा। यह आयोजन रोटरी क्लब ऑफ बोईसर - तारापुर, टीमा, एमपीए (मेडिकल प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन) तथा रोटरी क्लब ऑफ पालघर के विशेष सहयोग से किया जा रहा है। लगातार तीसरे वर्ष आयोजित हो रहा यह शिविर समाज सेवा का एक प्रेरणादायी उदाहरण बनता जा रहा है। शिविर का संचालन सुबह 9:30 बजे से लेकर शाम 4:30 बजे तक किया जायेगा। आयोजकों ने क्षेत्र की सभी कंपनियों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों और सामाजिक संस्थाओं से अपील की है कि वे अपने कर्मचारियों को इस पुनीत कार्य में भाग लेने के लिए प्रेरित करें। रक्तदान को जीवनदान मानते हुए आयोजक मंडल ने इसे डॉक्टर्स डे जैसे विशेष दिन से जोड़कर डॉक्टरों के समर्पण और सेवाभाव के प्रति सम्मान प्रकट करने का माध्यम बताया है। इस रक्तदान शिविर का आयोजन रोटरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर के इंस्पायर अध्यक्ष रामनारायण गोयल के दिशानिर्देशन में प्रोजेक्ट चेयरमैन रो.राकेश आचार्या, रो.अनिल जगदाले, प्रोजेक्ट को ऑर्डिनेटर रो. डॉ. पराग कुलकर्णी, क्लब सेक्रेटरी रो. शैलेश अग्रवाल के विशेष प्रयासों द्वारा किया जा रहा है।

बोईसर में पानी से भरे गड्ढे में डूबने से तीन मासूमों की दर्दनाक मौत

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर के काटकरपाड़ा इलाके से शुक्रवार 27 जून 2025 को एक बेहद दुखद और हृदयविदारक घटना सामने आयी है। इस घटना में तीन मासूम बच्चों की पानी से भरे गड्ढे में डूबकर मौत हो गई। हादसा शाम करीब 3:30 बजे हुआ जब तीनों बच्चे खेलते-खेलते इलाके के एक जलभराव वाले गड्ढे के पास पहुंच गए और गहराई का अंदाजा न होने के कारण उसमें फिसलकर डूब गए। मृत बच्चों की पहचान सूरज यादव (उम्र 7 वर्ष), धीरज यादव (उम्र 11 वर्ष), अंकित गुप्ता (उम्र 11 वर्ष) के रूप में हुई है। सूरज यादव और धीरज यादव सगे भाई थे और बोईसर शहर के काटकर पाड़ा स्थित गणेश नगर, छत्तीस चाल में रहते थे, जबकि अंकित गुप्ता उनके पड़ोस में रहने वाला मित्र था। जैसे ही हादसे की जानकारी मिली, बच्चों को तत्काल टिमा अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए तारापुर भेजा गया है। इस हृदयविदारक घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। इस घटना से मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पालघर में 'पर्पल फेयर 2025' का भव्य आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण हेतु समर्पित 'पर्पल फेयर 2025' का आयोजन पालघर जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में अत्यंत उत्साहपूर्वक और भव्य रूप में संपन्न हुआ। यह आयोजन 27 जून को 2025 को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चला, जिसमें दिव्यांगजनों की आत्मनिर्भरता, आत्मसम्मान और सामाजिक समावेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए।

ज्ञात हो कि महाराष्ट्र भर में होने वाले इस उपक्रम की शुरूआत सबसे पहले पालघर जिले से की गई। इस फेयर का आयोजन 'अली यावर जंग राष्ट्रीय वाचा एवं श्रवण दिव्यांगजन संस्था', बांद्रा-मुंबई द्वारा, जिला परिषद पालघर के समाजकल्याण विभाग की पहल पर और भारत सरकार के सामाजिक न्याय व सशक्तिकरण मंत्रालय के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे, पूर्व जिला परिषद अध्यक्षा एवं अनुसूचित जाति-जमाती आयोग की सदस्या वैदेही वाढाण, निवासी उपजिलाधिकारी सुभाष बागडे, उपायुक्त एवं दिव्यांग पुनर्वसन अधिकारी नितीन ढगे, जिला समाजकल्याण अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर और दिव्यांग सशक्तिकरण क्षेत्र में कार्यरत राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त प्रमिलाताई कोकड की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस आयोजन में जिले की 18 विशेष विद्यालयों के 207 दिव्यांग बच्चों ने भाग लिया। उन्होंने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, खेल स्पधाओं जैसे सैक रेस, गुब्बारे फुलाना, कॅरम, ग्लास टॉवर आदि में अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास का परिचय दिया।

इसके अलावा, दिव्यांग उद्यमियों और कलाकारों के लिए 17 स्टॉल लगाए गए, जिनमें उन्होंने अपने बनाए उत्पादों और कलाकृतियों का प्रदर्शन किया। एलिम्को संस्था के माध्यम से दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों का वितरण भी किया गया, जिससे उन्हें दैनिक जीवन में सहूलियत मिलेगी। अपने संबोधन में रवींद्र शिंदे ने कहा कि यह दिव्यांग विद्यार्थियों का उत्सव है और हम सभी की जिम्मेदारी है कि उनके इस आनंद में सहभागी बनें। नितीन ढगे ने कहा कि दिव्यांग बच्चों को समाज की मुख्यधारा में लाना ही वास्तविक समावेश होगा। वैदेही वाढाण ने अली यावर जंग संस्थान के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि शासन और सामाजिक संस्थाएं मिलकर दिव्यांगजनों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य कर रही हैं। कार्यक्रम का प्रास्ताविक डॉ. सुमन कुमार ने प्रस्तुत किया, वहीं आभार प्रदर्शन डॉ. राजू आरख ने किया। इस अवसर पर प्रमिलाताई कोकड को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। पर्पल फेयर 2025 के माध्यम से दिव्यांगजनों को एक ही मंच पर रोजगार, कला, खेल, सहायक साधन और सरकारी योजनाओं की जानकारी जैसी अनेक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। भारत सरकार द्वारा पालघर से इस उपक्रम की शुरूआत होना जिले के लिए गौरव की बात है। यह पहल भविष्य में दिव्यांग सशक्तिकरण की दिशा में एक मजबूत कदम साबित होगी, ऐसी आशा व्यक्त की गई। इस अवसर पर समाजकल्याण विभाग, जिला परिषद पालघर के अधिकारी-कर्मचारी, विशेष विद्यालयों के प्रतिनिधि, अभिभावक और बड़ी संख्या में दिव्यांग विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कल्याण में ड्रग्स के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई

कल्याण। कल्याण शहर में पुलिस ने ड्रग्स के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए भारी मात्रा में एमडी ड्रग्स के साथ नशीला पदार्थ बड़ी मात्रा में बरामद किया है। परिमंडल तीन पुलिस नशे के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है । जिससे ड्रग्स माफियाओं में हड़कंप मचा हुवा है। डोंबिवली के खोणी पलावा की हाईप्रोफाइल सोसायटी के एक फ्लैट पर छापा मारकर पुलिस ने 2 करोड़ से ज्यादा का एमडी ड्रग्स जप्त किया है। कल्याण परिमंडल तीन के डीसीपी अतुल झंडे ने बताया कि मानपाडा थाना क्षेत्र के पलावा के डाउनटाउन में नशीले पदार्थ की तस्करी को लेकर गुप्त जानकारी पुलिस को मिली थी जानकारी के आधार पर पुलिस की टीम ने उक्त जगह पर छापेमारी की। डीसीपी ने बताया कि यह एक बड़ा रैकेट है जिसमें और भी लोगों की गिरफ्तारी हो सकती है। वहीं खोणी पलावा जैसी बड़ी सोसायटी में इतनी बड़ी मात्रा में एमडी ड्रग्स बरामद होने से लोगों में चिंता का वातावरण बना हुआ है। नशे के खिलाफ कल्याण पुलिस ने विशेष मुहिम चलाकर खड़कपाड़ा और महात्माफुले पुलिस थाने की हद में भी नशीले पदार्थों की तस्करी करने वालों को धरदबोचा है।

डोंबिवली में जनगणमन स्कूल के रजत महोत्सव पर वर्षभ सांस्कृतिक कार्यक्रम

डोंबिवली(उत्तरशक्ति)। डोंबिवली में जानविज मल्टी फाउंडेशन अंतर्गत संचालित जन गण मन इंग्लिश मीडियम स्कूल द्वारा विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक, पारंपरिक एवं धार्मिक विविधताओं की जानकारी दी जाती है । जैसा कि भारत में बहुधर्मी, विविध संस्कृती वाला देश है, और महाराष्ट्र तो खासकर छत्रपती शिवाजी महाराज की ऐतिहासिक भूमि होने के नाते अपनी संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है। जन गण मन स्कूल, डोंबिवली में हर महीने मनाए जाने वाले पारंपरिक त्यौहारों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और विविध धर्मों के कार्यक्रमों को पूरे उत्साह और सहभाग के साथ मनाया जाता है। शिक्षक और विद्यार्थी सभी इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। सभी उपस्थित पत्रकारों ने इस अभिनव उपक्रम की सराहना की और जे.एम.एफ. संस्थान के सालभर चलने वाले कार्यक्रमों की भूरी-भूरी प्रशंसा की। साल 2025 जानविज मल्टी फाउंडेशन का रजत महोत्सव वर्ष है। इस विशेष अवसर पर पूरे वर्ष भर साहित्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। इसके अलावा महाकुंभ मेला, जी-20, रामलला की प्राणप्रतिष्ठा, शिवाजी महाराज राज्याभिषेक, नवरात्रि, गणपति उत्सव, नागपंचमी, बैलपोळा, भोंडला, दिवाली सहित सभी प्रमुख त्योहार परंपरागत ढंग से मनाए जाते हैं।

इन आयोजनों की खास बात यह है कि शिक्षक न सिर्फ छात्रों को सहभागी बनाते हैं, बल्कि हर कार्यक्रम की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि भी बच्चों को बताते हैं। डॉ. प्रेरणा कोल्हे ने बताया कि आज के समय में मोबाइल हमारे जीवन का अहम हिस्सा बन गया है, लेकिन इसके दुष्परिणामों को ध्यान में रखते हुए सितंबर महीने में 'एक दिन मोबाइल के बिना' नामक विशेष उपक्रम भी आयोजित किया जाता है। इस दिन बच्चों को मोबाइल घर से लाने की अनुमति नहीं दी जाती। जन गण मन स्कूल न केवल शिक्षा बल्कि संस्कार, संस्कृति और समाज की समरसता को भी अपने विद्यार्थियों में संजो रही है।

ओम साई इंग्लिश स्कूल में संगणक कक्ष का विधायक के हांथो उदघाटन

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व के पिसवली में स्थित समाज उद्धार समिति द्वारा संचालित ओम साई इंग्लिश में संगणक कक्ष शुरू किया गया है। शुक्रवार को शिवसेना शिंदे गुट के विधायक राजेश मोरे के हाथों संगणक कक्ष का उदघाटन किया गया। वहीं समिति द्वारा संचालित हिंदी बालनिकेतन स्कूल में विद्यार्थियों को नोटबुक वितरण की गई। इसके उपरांत विधायक मोरे ने स्कूल की सराहना करते हुए कहा कि समिति की तीनों स्कूल बहुत ही नेक काम कर रही है। मेरा सहयोग हमेशा बना रहेगा। संगणक कक्ष उदघाटन के दौरान समाजसेवक अनिल पाटील, संस्था के संस्थापक बबन चौबे,जीआरसी की मुख्याध्यापिका पुष्पा शुक्ला, शिक्षिका अजंता राजन आदि

पहली कक्षा से बच्चों को दिया जाएगा कंप्यूटर का प्रशिक्षण

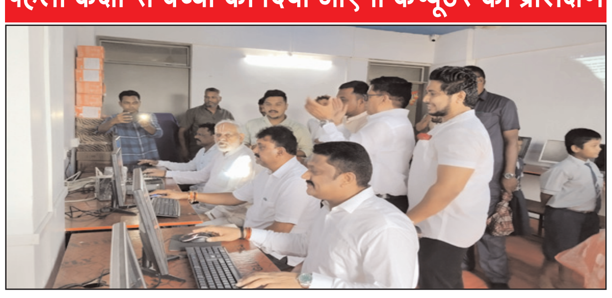

शिक्षक वर्ग उपस्थित थे। इस दौरान समाज उद्धार समिति के सचिव डॉ.जेपी शुक्ला ने कहा कि आज की आधुनिकता को देखते हुए ओम साईं इंग्लिश स्कूल में कंप्यूटर क्लास शुरू की गई है, जहां पहली कक्षा से बच्चों को कंप्यूटर का उपयोग करना सिखाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि 1978 से पिसवली गांव में हिंदी बालनिकेतन, जीआरसी हिंदी स्कूल और ओम साईं इंग्लिश स्कूल के माध्यम से गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का काम किया जा रहा है।

उत्तर क्षेत्रीय संस्था द्वारा मनाया गया उद्योजक अमर सिंह का 60वां जन्मदिन

पालघर(उत्तरशक्ति)। उत्तर क्षेत्रीय संस्था की ओर से पालघर जिले पास्थल ग्राम पंचायत अंतर्गत स्थित इंद्रप्रस्थ पेट्रोल पंप कार्यालय पर समाजसेवा और सामाजिक समरसता के क्षेत्र में सक्रिय रहे उद्योजक अमर सिंह का 60वां जन्मदिन गुरुवार 26 जून 2025 को बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन सादगीपूर्ण वातावरण में किया गया, जहां अमर सिंह ने केक काटकर सभी का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा, ₹यह जीवन मेरे लिए सेवा का माध्यम है, और जब तक संभव होगा, समाज के लिए कार्य करता रहूंगा।₹ इस अवसर पर वक्ताओं ने

अमर सिंह के जीवन मूल्यों, सामाजिक कार्यों और उनके प्रेरणादायी व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर परिजनों, शुभचिंतकों और समाज के गणमान्य नागरिकों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके दीघार्यु जीवन की कामना की। इस अवसर उत्तर क्षेत्रीय संस्था के अध्यक्ष अरविंद सिंह क्षत्रिय, एडवोकेट शोभनाथ त्रिपाठी, हनुमान सिंह, रामनरेश यादव, बी.एन.सिंह, पाण्डेय सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

केडी कॉलेज द्वारा नशा विरोधी अभियान कार्यक्रम का आयोजन

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व स्थित कमलादेवी एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा संचालित कमलादेवी कॉलेज के एनएसएस विभाग के माध्यम से 26 जून को नशा विरोधी अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में कोलशेवडी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक गणेश न्हायदे उपस्थित थे। साथ ही, कार्यक्रम में उमाकांत चौधरी, सामाजिक कार्यकर्ता, भगवान वाघ, कोलशेवडी पुलिस स्टेशन के गोपनीय शाखा समन्वयक उपस्थित थे। साथ ही, कॉलेज की प्राचार्य डॉ सिमी सिंह मैडम और कॉलेज के अधीक्षक सचिन चौधरी, शिक्षक और छात्र इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य

अतिथि के स्वागत के साथ हुई। कार्यक्रम का परिचय कॉलेज की प्राचार्य डॉ सिमी सिंह मैडम ने दिया। इन कार्यक्रमों में, उमाकांत चौधरी ने छात्रों को नशीली दवाओं के सेवन से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी दी। साथ ही, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक गणेश न्हायदे ने इस बारे में जानकारी दी कि कैसे युवा छात्र नशीली दवाओं के सेवन के कारण आपराधिक व्यवहार की ओर बढ़ जाते हैं। और इन छात्रों को इस तरह से किसी भी पदार्थ का सेवन नहीं करना चाहिए। साथ ही, अगर कोई आपको नशा करने के लिए प्रोत्साहित करता है, तो आपको उससे दूर रहना चाहिए। इस प्रकार उन्होंने छात्रों को मार्गदर्शन दिया।

डब्ल्यूएचओ की तंबाकू नियंत्रण नीति भारत के लिए बड़ा खतरा: सीएपीएचआरए की चेतावनी

मुंबई। एशिया पैसिफिक टोबैको हार्म रिडक्शन एडवोकेट्स (सीएपीएचआरए) ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की तंबाकू से हानि कम करने के खिलाफ नई नीति को लेकर गंभीर चिंता जताई है। संगठन का कहना है कि यह नीति कई वर्षों के वैज्ञानिक प्रमाणों को नकारती है और भारत जैसे देशों को अत्यधिक नुकसान पहुंचा सकती है, जहां हालात अमीर देशों की तुलना में कहीं अधिक जटिल और संवेदनशील हैं।

भारत, जहां विश्व में सबसे अधिक तंबाकू उपयोगकर्ता हैं, एक विशिष्ट और विविध तंबाकू परिदृश्य से जूझ रहा है। पश्चिमी देशों की तरह केवल सिगरेट तक सीमित न होकर, यहां 20 करोड़ से अधिक लोग धूम्ररहित तंबाकू का उपयोग करते हैं, करोड़ों लोग बीड़ी पीते हैं और लगभग 4.5 करोड़ लोगों की आजीविका इस क्षेत्र से जुड़ी हुई है। इनमें किसान, बीड़ी बनाने वाले, छोटे दुकानदार और ग्रामीण महिलाओं द्वारा संचालित छोटे उद्यम शामिल हैं।सीएपीएचआरए का मानना है कि यदि उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करते हुए सुरक्षित निकोटीन उत्पादों के निर्माण की दिशा में बदलाव किया जाए, तो न केवल इन करोड़ों आजीविकाओं की रक्षा की जा सकती है, बल्कि दहनशील और नुकसानदेह मौखिक उत्पादों के कारण होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं को भी कम किया जा सकता।

सीएपीएचआरए की कार्यकारी समन्वयक नैन्सी लूकास ने कहा, ह्लयह केवल एक स्वास्थ्य नीति में चूक नहीं है, बल्कि समाज के सबसे कमजोर वर्ग के लिए एक आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी खतरा है। डब्ल्यूएचओ की यह नई नीति, जो दाताओं के प्रभाव में केवल प्रतिबंधात्मक उपायों को प्राथमिकता देती है, मैनहट्टन या ओस्लो जैसे शहरों में भले ही कारगर हो, लेकिन मुंगेर या मालदा जैसे भारतीय शहरों में यह असमानता को और बढ़ा सकती है और देश की नीति निर्धारण की स्वतंत्रता को कमजोर कर सकती है। गौरतलब है कि पहले डब्ल्यूएचओ तंबाकू नियंत्रण के लिए तीन प्रमुख स्तंभों झ्र रोकथाम, निवारण और हानि न्यूनीकरण झ्र के सिद्धांत का समर्थन करता था। उसका अपना टोबैको रेगुलेशन ग्रुप यह मान चुका है कि यदि ई-सिगरेट और हीटेड तंबाकू उत्पादों को सही ढंग से रेगुलेट किया जाए, तो ये उन लोगों के लिए जीवनरक्षक साबित हो सकते हैं जो तंबाकू छोड़ नहीं पा रहे हैं या छोड़ना नहीं चाहते।

हालांकि, हाल के वर्षों में ब्लूमबर्ग फिलैंथ्रॉपीज और गेट्स फाउंडेशन जैसे दानदाताओं के बढ़ते प्रभाव के चलते डब्ल्यूएचओ ने नवाचार-विरोधी और निषेध आधारित एजेंडे की ओर रुख किया है, जिससे वे उपकरण और उपाय कमजोर पड़ रहे हैं जो कभी वैश्विक तंबाकू नियंत्रण में आशा की किरण माने जाते थे।

दिल रहेगा दुरुस्त, जब रोज की डाइट में होंगे ये 4 सुपरफूड्स

मुंबई/पटना। लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों जैसे दिल की बीमारी और हाई ब्लड प्रेशर से बचाव के लिए कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए संतुलित खानपान अहम भूमिका निभाता है। रोजमर्रा की डाइट में बादाम, ओट्स, साबुत अनाज, फल और सब्जियां शामिल कर कोलेस्ट्रॉल को काबू में रखा जा सकता है। इसके साथ ही नियमित व्यायाम भी जरूरी है। इस लेख में जानिए चार ऐसे खास फूड्स, जिन्हें डाइट में शामिल कर आप कोलेस्ट्रॉल को स्वस्थ स्तर पर बनाए रख सकते हैं। ऋतिका समद्दार, रीजनल हेड, डाइटेटिक्स, मैक्स हेल्थकेयर, नई दिल्ली ने कहा, बादाम पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। इनमें प्रोटीन, मैग्नीशियम, कैल्शियम और ज़िंक समेत 15 जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं। रोजाना बादाम खाने से टोटल कोलेस्ट्रॉल और एलडीएल यानी बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद मिलती है। साथ ही, ये शरीर में सूजन को घटाते हैं, जो दिल की बीमारी का बड़ा कारण बन सकती है। एक मुट्ठी बादाम न केवल एचडीएल यानी गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है, बल्कि पेट की चर्बी और कमर की चौड़ाई घटाने में भी मददगार है। आप बादाम को सलाद, मिठाइयों या स्मूदी में मिलाकर डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। साबुत अनाज और ओट्स : साबुत अनाज को अपनी डाइट में शामिल करने से ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है, दिल की बीमारियों का खतरा घटता है, वजन नियंत्रण में रहता है और बैड कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी कम होता है।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

जौनपुर में लेखपाल, अरेंजर और चपरासी सहित सात लोगों के विरुद्ध धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के बदलापुर थाने में उच्च न्यायालय के आदेश के क्रम में हल्का लेखपाल, अरेंजर शाहगंज, चकबंदी अधिकारी बदलापुर के चपरासी सहित सात लोगों के विरुद्ध धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया गया है जिसकी विवेचना की जा रही है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार जिले में बदलापुर थाना क्षेत्र के रैभानीपुर गांव निवासी शिवकुमार दुबे पुत्र मंगल प्रसाद दुबे ने उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दाखिल कर मांग किया था कि हल्का लेखपाल कैलाश, अरेंजर शाहगंज रमेश, चकबंदी अधिकारी बदलापुर के चपरासी मुरारी सहित पारसनाथ, कृष्णकांत, कमलाकांत और चिंतामणि उपाध्याय के विरुद्ध अभिलेखों में हेरफेर करने का मुकदमा दर्ज किया जाए, जिसकी पुष्टि बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी वाराणसी द्वारा 24 3.2025 को अपने आदेश में की गई है। बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी वाराणसी द्वारा 24 मार्च 2025 को पारित अपने आदेश के तहत 5 अगस्त 2010 को अभिलेखों में दर्ज फर्जी आदेश को निरस्त करने का भी आदेश दिया गया।

आवेदक शिवकुमार दुबे ने बताया कि मैंने लक्ष्मीकांत से उनकी जमीन का पंजीकृत बैनामा प्राप्त किया था और जब दाखिल खारिज के लिए प्रार्थना पत्र दिया तो आकर पत्र 23 भाग एक में यह अंकित पाया गया कि मुकदमा नंबर 42 धारा 12 में दिनांक 5 अगस्त 2010 को यह आदेश हुआ कि चक संख्या 42 में अंकित खातेदार इनरदेई का नाम निरस्त करके पारिवारिक समझौता याददाश्त पत्रक के आधार पर पारसनाथ पुत्र दूधनाथ का नाम बतौर असल काश्तकार अंकित हो जो बिल्कुल फर्जी, कूट रचित व मिथ्या था जिसे आरोपीगण द्वारा आपसी षड्यंत्र व मिली भगत करके सरकारी अभिलेखों में हेरा फेरी करते हुए फर्जी पत्रावली तैयार की गई थी, क्योंकि आरोपी पारसनाथ, कृष्णकांत व कमलाकांत द्वारा लक्ष्मीकांत के भूमि को कम मूल्य में प्राप्त करना चाहते थे परंतु लक्ष्मीकांत द्वारा अपनी भूमिका माकूल कीमत हम प्रार्थी से प्राप्त करके बैनामा कर किया गया जिसके प्रतिशोध में आरोपीगण सांठ गांठ व फर्जी बाड़े के द्वारा एक साथ एक राय होकर छल कपट करते हुए आरोपी चिंतामणि उपाध्याय के साथ साथ सांठ गांठ करके कूट रचित पत्रावली न्यायालय चकबंदी अधिकारी अतिरिक्त बाद संख्या 43 धारा 12 तारीख फैसला 5 अगस्त 2010 को तैयार कर कर अन्य आरोपीगण चकबंदी कार्यालय व कलेक्ट्रेट के कर्मचारी जिसमे हल्का लेखपाल कैलाश, रमेश अरेंजर शाहगंज, मुरारी चपरासी चकबंदी बदलापुर के सहयोग से गलत इंद्राज कर दाखिल दफ्तर कर दिया तथा आरोपी मुरारी के द्वारा फर्जी पत्रावली में अपने हस्तलेख में मृतक इनरदेई का बयान भी उनके मृत्यु के पश्चात लेकर अपराध किया गया है। आवेदक शिवकुमार दुबे ने बताया कि उच्च न्यायालय के आदेश के क्रम में बदलापुर थाने में हल्का लेखपाल, अरेंजर शाहगंज, चपरासी सहित सात लोगों के विरुद्ध धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

निर्धारित मूल्य से अधिक पर उर्वरक बेचने पर होगी कड़ी कार्रवाई: जिलाधिकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में उर्वरकों की उपलब्धता के संबंध में बैठक गुरुवार देर सायं कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में वर्तमान खरीफ फसलों की बुवाई/रोपाई का कार्य प्रगति पर है। बुवाई रोपाई के समय नत्रजनिक एवं फास्फेटिक उर्वरकों की आवश्यकता/मांग में वृद्धि हो जाती है। कृषकों को निर्धारित दरों पर गुणवत्तायुक्त रासायनिक उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराया जाना अति आवश्यक है। जनपद में उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता है, किसान बंधु इसको लेकर चिंतित ना हो।जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि कृषकों को यूरिया, डी.ए.पी एन.पी.के, एस.एस.पी एवं एम.ओ.पी शासन द्वारा निर्धारित मूल्य पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। यूरिया का मूल्य 266.50 रु प्रति 45 किलो, डीएपी 1350 रु प्रति 50 किलो, एनपीके 1400 रु प्रति 50 किलो, एसएसपी 540 रु प्रति 50 किलो, एमओपी 1800 प्रति 50 किलो निर्धारित है।

जिलाधिकारी ने जनपद में उपलब्ध उर्वरकों का कृषकों के मध्य उनकी जोत/ फसल के अनुसार संस्तुत मात्रा में पीओएस के माध्यम से वितरण करने के निर्देश दिए। उर्वरक विनिमार्ता कंपनी/थोक विक्रेता/ फुटकर विक्रेता द्वारा मुख्य उर्वरकों यथा यूरिया डीएपी एनपीके एसएसपी एवं एमओपी के साथ कृषकों को अन्य उत्पाद जैसे नैनो यूरिया, जिंक, सल्फर एवं कैल्सियम आदि को क्रय करने हेतु बाध्य न किया जाए।प्रत्येक थोक फुटकर उर्वरक विक्रेता/बीज विक्रेता कीटनाशी विक्रेताओं के स्तर पर स्टॉक पंजिका और विक्रय पंजिका प्रतिदिन अपडेट किया जाए तथा किसानों को क्रय उत्पादों की रसीद अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए। जनपद में उर्वरक विक्री केंद्रों पर उर्वरकों की उर्वरकवार बिक्री दर (रेट बोर्ड) तथा स्टॉक का अंकन स्टॉक बोर्ड अनिवार्य रूप से लगाकर प्रतिदिन अपडेट किया जाए। ओवर रेटिंग अन्य उत्पादों की टैगिंग स्टॉक होल्डिंग एवं कालाबाजारी करते हुए पाए जाने पर संबंधित उर्वरक विक्रेता के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 तथा उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के तहत कार्यवाही की जाए।

शासन से प्राप्त निर्देश के क्रम में जिलाधिकारी द्वारा सहकारी क्षेत्र में उर्वरकों की कमी को देखते हुए निजी क्षेत्र में प्राप्त होने वाली उर्वरकों का 40% संभार सहकारी क्षेत्रों में प्रेषण हेतु निर्देशित किया गया।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, सहित कृषि विभाग के अधिकारीगण कर्मचारीगण सहित अन्य उपस्थित रहे।

जौनपुर में चला पॉलिथीन के खिलाफ विशेष अभियान, कई दुकानदारों पर हुई कार्रवाई

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शासन के निर्देश के क्रम में नगर पालिका परिषद जौनपुर अध्यक्ष मनोरमा मौर्य के नेतृत्व में अधिशासी अधिकारी पवन कुमार के द्वारा पॉलिथीन के उपयोग पर रोक लगाने और जनजागरूकता के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान नगर के प्रमुख बाजारों, चौराहों और सार्वजनिक स्थलों पर छापेमारी के दौरान करीब 1 क्विंटल प्रतिबंधित पॉलीथिन जब्त की गई। संबंधित दुकानदारों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करते हुए कुल 22 हजार रुपये का जुर्माना भी वसूला गया।

इस अभियान में नगर पालिका के सफाई निरीक्षक अवधेश यादव सहित अन्य कर्मचारियों की विशेष टीम ने विभिन्न दुकानों, ठेलों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर जांच की और पॉलिथीन का प्रयोग करते पाए गए लोगों पर सख्त कार्रवाई की गई। इसके साथ ही लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करते हुए वैकल्पिक थैले जैसे कपड़ा और जूट के बैग प्रयोग करने की अपील भी की गई।अध्यक्ष ने कहा कि ह्यपॉलिथीन पर्यावरण के लिए एक गंभीर खतरा है। इसे रोकना हम सभी की जिम्मेदारी है। नगर पालिका द्वारा चलाया गया यह अभियान जनहित और प्रकृति संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।अधिशासी अधिकारी ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि पॉलिथीन के उपयोग को पूरी तरह समाप्त किया जाए,इसके लिए लगातार अभियान चलाए जाएंगे और किसी को भी नियमों के उल्लंघन की छूट नहीं दी जाएगी। उन्होंने आमजनमानस से भी अपील है कि वे नियमों का पालन करें और स्वच्छता व पर्यावरण सुरक्षा में सहयोग दें।

नगर पालिका परिषद ने यह भी स्पष्ट किया कि यह अभियान केवल एक दिन का नहीं, बल्कि लगातार चलाया जाएगा। नगर को पॉलिथीन मुक्त बनाने के लिए हर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, जिसमें जनजागरूकता और सख्त कार्रवाई दोनों शामिल होंगे।

बहन के घर आए युवक की तालाब में मिली लाश, परिजनों में मचा कोहराम

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शहर कोतवाली क्षेत्र के हरखपुर गांव में वीरापट्टी कटेहरी (केराकत) निवासी एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में तालाब में डूबने से मौत हो गई। मृतक अपनी बहन के घर दो दिन पूर्व आया था। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान उमेश मौर्य (उम्र लगभग 45 वर्ष), पुत्र रामजतन मौर्य के रूप में हुई है, जो कोतवाली केराकत क्षेत्र के वीरा पट्टी कटेहरी गांव का निवासी था। वह अपनी बहन के यहां हरखपुर आया हुआ था। उसका शव गांव के एक तालाब में संदिग्ध हालत में मिला, जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

स्थानीय लोगों की सूचना पर शहर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को तालाब से बाहर निकलवाकर पंचनामा भरवाते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी। संदिग्ध मौत को लेकर गांव में चर्चा का माहौल है। परिजन शव को देखकर दहाड़ मार कर रोने लगे।

बोलेरो और बाइक की हुई टक्कर में 3 घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं के दादर बाईपास के पास बोलेरो और बाइक की आमने-सामने टक्कर हुई जिससे बाइक सवार बुरी तरह से घायल हो गए। बताया जाता है कि बडेरी नदियांव निवासी किशन 30 वर्ष अपनी पत्नी अंजू 28 एवं बच्ची दिया 3 वर्ष को मडियाहू से दवा लेकर अपने घर नदियांव जा रहे थे कि बेलवा बाजार की तरफ से तेज रफ्तार से आ रही बोलेरो यूपी 62सी एस 0335 ने बाइक में जोरदार आमने-सामने टक्कर मारी जिससे बाइक सवार मौके पर ही गिरकर तड़पने लगे। वहीं पर टक्कर की आवाज सुनकर ग्रामीण मदद के लिए दौड़े और उनको सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मड़ियाहूं इलाज के लिए भर्ती कराया सूचना पारकर मौके पर पहुंची मडियाहू की पुलिस बोलेरो और बोलेरो चला रहे ड्राइवर को हिरासत में लेकर थाने ले गई और अग्रिम कार्यवाही में जुटी हुई है। वहीं पर घायलों की हालत नाजुक देखकर डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। मौके पर पहुंचे परिजन की रो रो कर बुरा हाल है।

बिना नंबर प्लेट दो पहिया एवं ब्लैक फिल्म लगाकर चलने वाले चार पहिया वाहनों की अब खैर नहीं

यातायात पुलिस का शख्त निर्देश

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के यातायात प्रभारी सुशील मिश्रा के द्वारा जौनपुर शहर क्षेत्र में बिना नंबर प्लेट दो पहिया वाहनों व ब्लैक फिल्म लगाकर चलने वाले चार पहियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया। जिसके तहत करीब 200 दो पहिया वाहन व 80 चार पहिया वाहनों की सघन चेकिंग की गई। जिसमें 12 दो पहिया वाहनो को सीज किया गया। जो बिना नंबर प्लेट के चल रहे थे व 13 वाहनों से 35000 रु0 जुर्माना वसूल किया गया। 10 चार पहिया वाहनों के ब्लैक फिल्म निकाले गए व चालान की कार्यवाही भी की गई।जनपद के सभी वाहन चालकों को अवगत कराना है कि यदि वह बिना नंबर प्लेट के वाहन चलाएं जाते हुए पाए जाते है तो उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही कर वाहन सीज किया जाएगा।

वरिष्ठ उद्घोषक रहे सुशील वर्मा की मनायी गयी 5वीं पुण्यतिथि

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पूर्वांचल के वरिष्ठ उद्घोषक, दीवानी न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता, श्री लक्ष्मी पूजा महासमिति के संस्थापक सुशील वर्मा की 5वीं पुण्यतिथि शुक्रवार को मनायी गयी। नगर के ओलन्दगंज स्थित उनके आवास पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण करके श्रद्धांजलि अर्पित किया। साथ ही उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। विधि-विधान से पूजा करने के बाद हवन हुआ जहां उपस्थित सभी लोगों ने नम आंखों से श्रद्धांजलि दिया। इस दौरान स्व. वर्मा की धर्मपत्नी रीता वर्मा, पुत्री वैशाली वर्मा, स्नेहा वर्मा के अलावा डा. राजकुमार वर्मा, पूनम वर्मा, रामजी जायसवाल, विदिशा जायसवाल, मुकेश यादव, अजय पाण्डेय, महेन्द्र प्रजापति, विनोद यादव, कमलेश वर्मा, हर्ष वर्मा, राकेश वर्मा, अभिषेक अग्रहरि, सूर्य प्रकाश विश्वकर्मा सहित तमाम लोग उपस्थित रहे। अन्त में स्व. वर्मा के पुत्र वैभव वर्मा ने समस्त आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

तमंचा, कारतूस व मोटर साईकिल के साथ वांछित आरोपी गिरफ्तार

महराजगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना महराजगंज पुलिस टीम द्वारा

आज दिनांक-26.06.2025 को उ0नि0 रामकिंकर मिश्रा मय पुलिस बल के थाना स्थानीय पर पंजीकृत सम्बन्धित मु0अ0सं0 111/2025 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना महराजगंज जनपद जौनपुर से सम्बन्धित वांछित आरोपी 1.यसवन्त भारती उर्फ दरोगा पुत्र धर्मेन्द्र कुमार भारती निवासी केवटली थाना महराजगंज जनपद जौनपुर 2. सचिन गौतम पुत्र श्रीनाथ गौतम निवासी ढेमा थाना बदलापुर जनपद जौनपुर को 01 नाजायज तमंचा 315 बोर व 02 जिन्दा कारतूस 315 बोर व फर्द बरामदगी सील सर्वमुहर मय नमूना मोहर व एक मोटर साईकिल नं0 यूपी62 एम9573 के दिनांक 26.06.2025 को बहद ग्राम केवटली से गिरफ्तार किया गया। आरोपीगण का चालान सम्बन्धित माननीय न्यायालय जौनपुर किया गया अग्रेतर कार्यवाही प्रचलित है।

मानीकलाँ: जर्जर एलटी लाइन के केबल के सहारे हो रही विद्युत आपूर्ति

आए दिन टूटकर गिरता रहता है जर्जर तार

आफताब आलम

मानीकला,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड सोंधी शाहगंज क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मानीकला बाजार व गांव मे बार बार विद्युत सप्लाई एलटी लाइन के केबल के तार टूट कर गिरता रहता है। शुक्रवार की सुबह अनवारुद्दीन (उर्फ पांचू खां) के निवास के पास एलटी लाइन के केबल तार टूट कर गिरा पड़ा था ग्रामीणों ने इसकी सूचना विघुत विभाग जे ई संजय प्रजापति को दी और खबर लिखे जाने तक तार जोड़ा नहीं गया था।

जब जब गर्मी का मौसम आता है तब तब या समस्या बनी रहती है। इसकी सबसे बड़ी वजह या है की कई वर्षों से जर्जर तार को बदला ही नहीं गया है सिर्फ कागजों पर अदला बदली होती है। पश्चिम तरफ गांधी चबूतरा पर स्थित 250 के वी ट्रांसफार्मर से सप्लाई होने वाला जर्जर एल टी केबल तार बदलने को कहा जाता है। तो जेई का कहना है तार नही है क्या विभाग को किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार है। बार बार जर्जर तार गिरने से सैकड़ो घरो में विघुत सप्लाई की पूर्ति नही हो पा रही है। और इसी रास्ते से मोहर्रम का जुलूस निकलता है। मोहम्मद अशहद, बेलाल अहमद, राजेश गुप्ता, उजेर अहमद, सिराताज अहमद, सोनू जायसवाल, रामचन्द्र, समेत सैकड़ों घरो की लाइट चली जाती है और इस भीषण गर्मी में घरों में रहने वाली महिलाएं और छोटे छोटे बच्चे इस भीषण गर्मी में परेशान रहते है।

बिना मान्यता के संचालित हो रही हाईस्कूल व इंटर कक्षाओं पर होगी सख्त कार्रवाई

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शिक्षा व्यवस्था को ठेंगा दिखाकर सिरकोनी विकास खण्ड में वर्षों से बिना मान्यता के संचालित हो रहे हाईस्कूल व इंटर कॉलेजों पर अब प्रशासन का डंडा चलने वाला है। शासन के स्पष्ट निर्देश के बाद ऐसे डमी स्कूलों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी की जा रही है खण्ड शिक्षा अधिकारी अमरेश कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि 1 जुलाई से क्षेत्र के ऐसे पूर्व माध्यमिक विद्यालयों की पहचान की जाएगी, जो मान्यता प्राप्त नहीं होने के बावजूद कक्षा 9 से 12 तक की कक्षाएँ संचालित कर रहे हैं। ये स्कूल अक्सर अन्य मान्यता प्राप्त संस्थानों से अटैचमेंट के नाम पर छात्रों का पंजीकरण कराकर परीक्षा दिलवाते हैं, जबकि शिक्षण कार्य स्वयं ही करवाते हैं,जो पूरी तरह अवैध है। इस तरह के डमी स्कूल न केवल शिक्षा की गुणवत्ता से समझौता करते हैं, बल्कि छात्रों के भविष्य के साथ भी खिलवाड़ करते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए माध्यमिक शिक्षा विभाग के विशेष सचिव कृष्ण कुमार गुप्ता के निर्देश पर जिला विद्यालय निरीक्षक (DIOS) की अध्यक्षता में एक तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया है, जिसमें बीएसए और खण्ड शिक्षा अधिकारी को भी शामिल किया गया है इस

डमी स्कूलों के खिलाफ तीन सदस्यीय जांच टीम गठित, 1 जुलाई से शुरू होगी पहचान

कार्रवाई की भनक लगते ही क्षेत्र में ऐसे डमी स्कूल संचालकों में हड़कंप मच गया है। लंबे समय से नियमों को ताक पर रखकर शिक्षा का व्यापार करने वाले प्रबंधकों की अब मुश्किलें बढ़ सकती हैं।शासन की मंशा साफ है - शिक्षा में पारदर्शिता, गुणवत्ता और वैधानिकता।जल्द ही जिले भर में ऐसे स्कूलों की सूची तैयार कर कार्रवाई की जाएगी, ताकि भविष्य में कोई भी संस्था बिना मान्यता के उच्च कक्षाओं का संचालन न कर सके।यदि आप चाहें, तो इस विषय पर एक जागरूकता अभियान या रिपोर्ट श्रृंखला भी तैयार की जा सकती है, जिससे अभिभावकों को सही जानकारी मिल सके कि किस स्कूल में पढ़ाना सुरक्षित और वैध है।

नहर में मिला लापता हुए किशोर का शव, परिवार में मचा कोहराम, जांच मे जुटी पुलिस

रियाजुल हक

मड़ियाहूं,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मड़ियाहूं कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत बेलवां बाजार निवासी 14 वर्षीय किशोर अब्दुल साबिर के लापता होने के एक दिन बाद शुक्रवार सुबह उसका शव याकूतपुर गांव स्थित नहर में बरामद हुआ। शव औंधे मुंह नहर के पानी में आधा डूबा और आधा बाहर पड़ा था। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और शव की शिनाख्त कर ली, शव को देखकर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया और गांव में शोक की लहर फैल गई। परिवार वालो के अनुसार, अब्दुल साबिर गुरुवार

शाम अचानक घर से गायब हो गया था। पूरी रात उसकी तलाश की गई, लेकिन वह नहीं मिला। शुक्रवार सुबह ग्रामीणों ने नहर में एक किशोर का शव देखा तो इसकी सूचना परिजनों को दी गई। बेलवां बाजार निवासी कादिर का पुत्र अब्दुल साबिर मानसिक रूप से विक्षिप्त था और केवल अपने पिता को अब्बा कहकर पुकार पाता था।

घटना की जानकारी मिलते ही एक राजनीतिक पार्टी के स्थानीय नेता राजदेव पाल मौके पर पहुंचे और उन्होंने तुरंत मड़ियाहूं कोतवाली पुलिस को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंची मड़ियाहूं कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मौत के कारणों की जांच की जाएगी। फिलहाल पुलिस हर पहलू की जांच कर रही है।

जिंदगी की जंग हार गए विदेशी पहलवानों को धूल चटाने वाले महादेव पहलवान

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कुश्ती के अखाड़े से लेकर जीवन के हर मोर्चे पर अपने अदम्य साहस, अनुशासन और प्रेरक व्यक्तित्व से लोगों के दिलों में अमिट छाप छोड़ने वाले अन्तरराष्ट्रीय कुश्ती उस्ताद बाबू महादेव सिंह परियावाँ अब हमारे बीच नहीं रहे। उनके निधन की खबर ने न केवल जौनपुर, बल्कि पूरे देश के कुश्ती प्रेमियों को शोक में डुबो दिया है।बाबू महादेव सिंह केवल एक पहलवान नहीं थे, वह एक विचार थे, एक परंपरा थे, और एक प्रेरणा थे। उनकी शारीरिक बनावट जितनी प्रभावशाली थी, उनका आत्मबल और संयम भी उतना ही प्रखर था। उन्होंने अखाड़े में विदेशी पहलवानों को न केवल चुनौती दी, बल्कि ईरान से आए पहलवानों को भी कुश्ती के गुर सिखाकर भारत की मिट्टी की ताकत का अहसास कराया।

उनकी कुश्ती शैली में ताकत के साथ-साथ तकनीक का अनुपम समन्वय दिखाई देता था। वह कुश्ती को केवल एक खेल नहीं, बल्कि एक साधना मानते थे। उनके जीवन की अनगिनत कहानियाँ आज भी गाँव-गाँव में बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों को प्रेरणा देती हैं - कि कैसे अनुशासन, समर्पण और परिश्रम से एक साधारण ग्रामीण युवक विश्वपटल पर कुश्ती का परचम लहरा सकता है।

कुश्ती जगत ने खो दिया अपना चमकता सितारा

कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष फैसल हसन ने कहा कि बाबू महादेव सिंह का हमारे परिवार से गहरा आत्मीय रिश्ता था। उनका जाना हमारे लिए केवल एक पारिवारिक व्यक्ति का बिछड़ना नहीं, बल्कि एक युग का अंत है। उन्होंने न केवल अखाड़े में बल का प्रदर्शन किया, बल्कि जीवन में संस्कार और सेवा का उदाहरण भी प्रस्तुत किया।

भी जिले के पहलवानों ने कहा कि आज जब हम उन्हें अंतिम विदाई दे रहे हैं, तो यह वादा करते हैं कि उनकी विरासत को जीवित रखने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उनके नाम पर कुश्ती प्रतियोगिताएं, प्रशिक्षण शिविर और युवा प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के प्रयास लगातार चलते रहेंगे। विनम्र श्रद्धांजलि

जिलाध्यक्ष अजय पाण्डेय के नेतृत्व में अहिप कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरू में गत दिवस हुई अन्तरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद की राष्ट्रीय बैठक में जौनपुर के डा. वीरेन्द्र प्रताप सिंह (अवकाशप्राप्त प्रधानाचार्य टीडी इण्टर कालेज) को काशी प्रान्त का कार्याध्यक्ष बनाया गया। देश के विभिन्न प्रान्तों से आये राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक पदाधिकारियों की बीच यह घोषणा अहिप के संस्थापक/अध्यक्ष डा. प्रवीण भाई तोगड़िया ने किया। इस पर उपस्थित सभी लोगों ने करतल ध्वनि से डा. सिंह का स्वागत किया। बता दें कि इसके पहले डा. विरेन्द्र राष्ट्रीय छात्र परिषद के प्रान्त अध्यक्ष के रूप में दायित्व का निर्वहन कर रहे थे। इधर गृह जनपद पहुंचने पर उनके निज आवास पर पहुंचे तमाम पदाधि ?कारियों ने डा. सिंह का माल्यार्पण करके स्वागत किया। इस मौके पर चन्द्र प्रकाश तिवारी विभाग महामंत्री, अजय पाण्डेय जिलाध्यक्ष अन्तरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद, दीनानाथ शुक्ल अध्यक्ष राष्ट्रीय किसान परिषद, जितेन्द्र बहादुर सिंह जिलाध्यक्ष राष्ट्रीय बजरंग दल, कृष्ण कुमार उपाध्याय जिला महामंत्री राबद सहित तमाम लोगों ने माल्यार्पण करके स्वागत किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष अजय पाण्डेय ने कहा कि जौनपुर के लिए यह गौरव की बात है कि यहां के 3 पदाधिकारी काशी प्रांत का नेतृत्व कर रहे हैं। ऐसे पदाधिकारियों में तरुन शुक्ल प्रान्त महामंत्री अहिप एवं एडवोकेट प्रभाकर तिवारी प्रान्ताध्यक्ष हिन्दू एडवोकेट फोरम पहले से हैं। इसी क्रम में डा. विरेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि प्रान्त कार्याध्यक्ष का दायित्व देकर डा. प्रवीण भाई तोगड़िया ने जो जिम्मेदारी दी है, उसे पूरा करना मेरे जीवन का लक्ष्य होगा।

सरकारी टीचर को छोड़कर विवाहिता ने प्रेमी के साथ किया विवाह

डिप्टी एसपी अजीत सिंह चौहान ने कहा- लड़की के बयान के आधार पर की जाएगी अग्रिम कार्यवाई

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। तेरी यादों के सहारे, जी रहा हूँ मैं, तेरे मिलन का इंतजार, कर रहा हूँ मैं चाँद भी शर्मा जाए, जब तेरा दीदार होता है, ये दिल भी पागल हो जाए, जब तेरा इंतजार होता है।

शायद ये मोहब्बत करने वाले प्रेमी और प्रेमिकाओं के ऊपर सटीक बैठता है। इसी तरह एक प्रेमी युगल बगावत करके आखिरकार इंतजार को खत्म करते हुए एक दूसरे के हो गए। बताया जाता है आजमगढ़ जनपद के दीदारगंज अंतर्गत ग्राम बिहटा निवासी सोनम(परिवर्तित नाम) कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पट्टीचकसर में अक्सर अपने ननिहाल आया जाया करती थी। वहीं पर उसका उसी गाँव निवासी आलोक(परिवर्तित नाम) से आंखे चार हो गयी और धीरे धीरे दोनों का प्यार परवान चढ़ा और एक दूसरे के साथ जीने मरने की कसमें खा ली।समय बीता इसी बीच लड़की के घरवालों ने सोनम की शादी अम्बेडकर नगर जनपद के ग्राम निवासी एक सरकारी शिक्षक से कर दी। मगर शादी के बाद भी सोनम का दिल वहां नही लगा क्योंकि दिल तो उसने पहले ही किसी को दे दिया था। और एक दिन अचानक सोनम और उसका प्रेमी आलोक किसी तरह घर से भाग गए। बताते हैं इस दौरान दोनों ने कोर्ट मैरिज भी कर ली।

शुक्रवार को शाहगंज पुलिस ने महिला कांस्टेबल की देख रेख में प्रेमिका का बयान भी कोर्ट में दर्ज करवाया गया। बयान दर्ज होने के बाद प्रेमी युगल को लेकर कोतवाली पुलिस थाने पहुँची जहां लड़के पक्ष के काफी लोग थाने में मौजूद थे। तो वहीं लड़की पक्ष से कोई नहीं दिखा। इस सम्बंध में डिप्टी एसपी अजीत सिंह चौहान ने बताया की मामला संज्ञान में है। बीएनएस की धारा 183 के तहत लड़की का जो बयान होगा उसी आधार पर अग्रिम कार्यवाई की जाएगी।

पोस्टमार्टम के लिए नई व्यवस्था लागू,चार घंटे में होगा पोस्टमार्टम

-आबिद खान

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। पोस्टमार्टम के लिए पीड़ित परिवारों को अब अधिक इंतजार नहीं करना होगा। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने दुःख की घड़ी में परिजनों की पीड़ा कम करने के लिए पोस्टमार्टम को अधिकतम चार घंटे में करने के निर्देश दिए हैं। डिप्टी सीएम के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने पोस्टमार्टम की नई गाइड लाइन जारी कर दी हैं। प्रदेश भर के पोस्टमार्टम हाउस में नई व्यवस्था लागू कर दी गई है। अब शव का पोस्टमार्टम अधिकतम चार घंटे में करना होगा। जिन जिलों में अधिक संख्या में पोस्टमार्टम हो रहे हैं। वहां सीएमओ दो या इससे अधिक डॉक्टरों की टीमें बनाकर इस संवेदनशील कार्य को संपन्न कराएं ताकि परिजनों को शव के लिए

अधिक इंतजार न करना पड़े डिप्टी सीएम ने बताया कि सूर्यास्त के बाद नियमानुसार पोस्टमार्टम कराया जाए। जल्द से जल्द शव के साथ संबंधित अभिलेख भी पोस्टमार्टम हाउस भेजे जाएं। रात में पोस्टमार्टम की दशा में 1000 वॉट लाइट की कृत्रिम व्यवस्था की जाए। दूसरे जरूरी संसाधन भी पर्याप्त हों ताकि 24 घंटे पोस्टमार्टम की कार्रवाई चलती रहे। हत्या, आत्महत्या, यौन अपराध, क्षत-विक्षत शव व संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु संबंधी प्रकरणों में रात में पोस्टमार्टम न कराएं जाएं। हालांकि अपरिहार्य कारणों में जिला मजिस्ट्रेट व उनके अधिकृत अधिकारी की अनुमति पर रात में भी पोस्टमार्टम कराया जा सकता है।कानून व्यवस्था से जुड़े प्रकरण, एनकाउंटर, पुलिस अभिरक्षा में मृत्यु, विवाह के प्रथम 10 वर्षों में हुई महिला की मृत्यु आदि में रात में होने वाले पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी कराई जाए। शासनादेश के मुताबिक पैनल के तहत होने वाले पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी अवश्य कराई जाए। इसका पैसा पीड़ित परिजनों से नहीं लिया जाए। वीडियोग्राफी का भुगतान रोगी कल्याण समिति व अन्य मदों से किया जाए।पोस्टमार्टम की रिपोर्ट ऑनलाइन की जाए। इसमें किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए। डिप्टी सीएम ने कहा कि पोस्टमार्टम हाउस में एक कम्प्यूटर ऑपरेटर व दो डाटा इंट्री ऑपरेटर सीएमओ द्वारा तैनात किए जाएं। शव को अस्पताल से पोस्टमार्टम हाउस ले जाने के लिए वाहन का इंतजाम किया जाए। सीएमओ प्रत्येक जिले में दो शव वाहन की व्यवस्था करें।महिला अपराध, रेप, विवाह के प्रथम 10 वर्षों के भीतर महिला की मृत्यु की दशा में पोस्टमार्टम पैनल में महिला डॉक्टर अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। अज्ञात शव की पहचान के लिए डीएन सैम्पलिंग कराई जाए।

डा0 अम्बेडकर पर अभद्र टिप्पणी करने वाले दो आरोपियों गिरफ्तार

सरपतहाँ, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सरपतहाँ पुलिस टीम द्वारा डा0 भीमराव अम्बेडकर पर अभद्र टिप्पणी करने वाले 02 आरोपियों का निरोधात्मक कार्यवाही अन्तर्गत धारा 170/126/135 बीएनएसएस मे किया गया चालान।थाना सरपतहाँ पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक 27.06.20205 को थाना क्षेत्र के अहियाई के 1 निरंकार दुबे पुत्र श्री प्रकाश दुबे निवासी अहियाई थाना सरपतहाँ जनपद जौनपुर 2.आशुतोष सिंह पुत्र अरविन्द सिंह निवासी ईशापुर थाना सरपतहाँ जनपद जौनपुर पूर्व मे इन्स्ट्राग्राम व सोशल मिडिया पर भड़काऊ विवाद व बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के प्रतिमा पर मारते हुए वीडियो सोशल मिडिया पर पोस्ट करने से एक विशेष वर्ग के लोगो पर आहत पहुचाने के उद्देश्य से पोस्ट किया था।जिसके सम्बन्ध मे थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0- 158/25 धारा- 1961 (अ), 299, 353 1 ( ) बी0एन0एस0 का अभियोग आरोपीगण उपरोक्त के विरूद्ध पंजीकृत किया गया थ। जिनको आज इनके यह कृत्य के आरोप मे 02 आरोपीगण को गिरफ्तार कर सम्बन्धित न्यायालय भेजा जा रहा है।

रेल लाइन पर ट्रेन से कटी महिला

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अतर्गत महाराजगंज में पूर्वोत्तर रेलवे के महाराजगंज मशरख रेल खंड पर शुक्रवार के दिन सुबह लगभग 8:00 बजे एक 60 वर्षीय महिला ट्रेन के सामने अचानक कूद कर अपनी जान गवा दी। बताया जाता है कि शुक्रवार के दिन सवारी ट्रेन मसरख से महाराजगंज आ रही थी शुरबीर -महुआरी गांव की सीमा पर करीब 7:50 बजे महिला अचानक ट्रेन के चपेट में आ गई । जिससे महिला ट्रेन से कट गई । इसकी सूचना स्थानीय लोगों ने स्थानीय थाना महाराजगंज वह आरपीएफ पुलिस को दी। पुलिस कागजी तैयारी पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए शव को सिवान भेज दिया। समाचार प्रेषित तक महिला की पहचान नहीं हो पाई थी।

बीएलओ शिक्षकों का विस चुनाव तक ट्रांसफर स्थगित

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अतर्गत महाराजगंज में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान शुरू हो गया है। यह अभियान 26 जुलाई तक चलेगा। निर्वाचन आयोग ने कहा है कि इस दौरान बीएलओ शिक्षकों का ट्रांसफर नहीं होगा। उन्हें विरमित भी नहीं किया जाएगा। जिन शिक्षकों का ट्रांसफर पहले किया गया है, वे अगर बीएलओ हैं तो उन्हें भी विरमित नहीं किया जाएगा। इसकी जानकारी प्रखंड के बीइओ राजकुमार उपाध्याय ने दी। बताया कि डीएम के निर्देश पर फिलहाल जिन बीएलओ शिक्षकों का ट्रांसफर हुआ था उस पर रोक लगा दी गई है। उन्हें विरमित नहीं करने का निर्देश जारी किया गया है। अधिकांश बीएलओ शिक्षक हैं। ट्रांसफर पर रोक से लंबे समय से ट्रांसफर की प्रतीक्षा कर रहे बीएलओ बने शिक्षकों में मायूसी है। कई बीएलओ ने बताया कि लंबे अंतराल के बाद ट्रांसफर हुआ है। लेकिन, उस पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। बताया जाता है कि शिक्षकों के तबादले की समस्या का समाधान अब जिला स्तर पर होगा। इसके लिए डीएम की अध्यक्षता में जिला स्थापना समिति गठित की गई है। यह समिति हर मामले पर अलग-अलग विचार कर कार्रवाई करेगी। बताया जाता है कि शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने इसको लेकर डीएम व डीईओ को पत्र भेजा है। उन्होंने कहा है कि शिक्षकों की तबादले की समस्या लेकर सचिवालय नहीं आना चाहिए। इससे विभाग का कामकाज प्रभावित होता है। इस संबंध में जिला शिक्षा विभाग ने बताया कि एसीएस का पत्र प्राप्त हो गया है। विभागीय निर्देश के आलोक में ट्रांसफर से संबंधित विसंगतियों को शीघ्र दूर कर लिया जाएगा। बताया जाता है कि एसीएस के निर्देशानुसार शिक्षकों की सभी शिकायतें ई-शिक्षा कोष पोर्टल पर ही दर्ज की जाएं। इस पोर्टल पर शिकायतें दर्ज करने की सुविधा दी गई है। सभी शिकायतों की निगरानी राज्य स्तर पर नामित नोडल पदाधिकारी कर रहे हैं।

वाराणसी: घूस लेते दरोगा और सिपाही रंगेहाथ गिरफ्तार,

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। वाराणसी के मंडुवाडीह थाने में शुक्रवार की दोपहर एंटीकरप्शन टीम ने पुलिस कमिश्नरेट के एक दरोगा और एक सिपाही को 15,000 रुपये घूस लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। एंटी करप्शन की टीम दोनों पुलिस कर्मियों को आगे की कार्रवाई के लिए कैंट थाने ले गई है। पीड़ित ने मामले की जानकारी एंटीकरप्शन टीम को दी, मौके पर पहुंची टीम ने दरोगा अभय नाथ तिवारी और दीवान शक्ति सिंह को 15 हजार लेते दबोच लिया। दोनों के हाथ धुलवाए गए तो नोट पर लगा रंग उनके हाथों पर मिला। टीम के अफसर आरोपियों को कैंट थाने लेकर आए, जहां दोनों के खिलाफ केस दर्ज किया जा रहा है। कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप की स्थिति है।

घंटो पंचायत के बाद प्रेमी युगल नें थाने में रचाई शादी, घर वालों नें सशर्त दिया आशीर्वाद

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के घर वाले शादी के लिए रजामंद नहीं हुए तो प्रेमी युगल ने थाने पहुंचकर शादी रचा ली। जानकारी के बाद थाने पहुंचे लड़का और लड़की के घर वालों के बीच घंटों पंचायत चली। इसके बाद तय हुआ कि लड़के वाले बारात लेकर लड़की के घर जाएंगे, तभी उसकी विदाई की जाएगी। प्रेमी युगल गुरुवार दोपहर को मिर्जामुराद थाने पहुंचे। थाना परिसर स्थित राम जानकी

मंदिर में युवक ने अपनी प्रेमिका की मांग में सिंदूर भरकर शादी की रस्म पूरी की। बताया जा रहा है कि युवती की उम्र 21 वर्ष है और वह क्षेत्र के एक गांव की निवासी है, जबकि युवक सीमावर्ती गांव का रहने वाला है। दोनों के बीच पिछले कई वर्षों से मोबाइल पर बातचीत होती रही, जो धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। करीब दो साल पहले दोनों एक ही स्कूल में पढ़ते थे। उस समय लड़की इंटर में पढ़ती थी और लड़का 10वीं का छात्र था। पढ़ाई के दौरान शुरू हुई दोस्ती ने जल्द ही प्रेम का रूप ले लिया था।थाने में विवाह के बाद जब यह खबर परिजनों तक पहुंची, तो वे भी थाना परिसर पहुंचे। युवक-युवती एक ही जाति के हैं, फिर भी परिजन इस विवाह को तुरंत मानने के लिए तैयार नहीं हुए। घंटों चली पंचायत के बाद तय हुआ कि जब लड़के वाले बारात लेकर लड़की के घर आएंगे, तभी उसकी विदाई की जाएगी। यह घटना पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।

प्रेमिका के प्यार नें बनाया फर्जी टीटी, वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन पे दबोचा गया

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के कैंट रेलवे स्टेशन पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने एक फर्जी टीटी को गिरफ्तार किया है।आरोपी की पहचान आदर्श जायसवाल (25 वर्ष), निवासी ग्राम पटेहरा, थाना अरौला, जिला रीवा, मध्य प्रदेश के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार युवक अपनी प्रेमिका से शादी करने के लिए फर्जी टीटी बनकर लोगों को चूना लगाने का काम कर रहा था।मुखबिर की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक रजौल नागर के नेतृत्व में उपनिरीक्षक राजेंद्र कुमार मिश्र, हेड कांस्टेबल इसरार अहमद अंसारी, धर्मवीर कुमार गौड़, आरपीएफ के एएसआई राकेश सिंह और सीआईबी लखनऊ के हेड कांस्टेबल फुलचंद्र यादव ने स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 के एफओबी सीढ़ी के पास से आरोपी को पकड़ा। जामा तलाशी में उसके पास से एक सैमसंग मोबाइल, नॉर्दर्न रेलवे का तत्काल फॉर्म और 570 रुपये नकद बरामद भी प्राप्त किया गया।

थानाध्यक्ष पर महिला ने लगाया पुश्तैनी जमीन पर कब्जा कराने का आरोप

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना जफराबाद क्षेत्र के कजगांव निवासी एक महिला ने थानाध्यक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि वह विपक्षी को उसकी पुश्तैनी जमीन पर जबरन कब्जा कराने में मदद कर रहे हैं। पीड़िता ज्ञान्ती देवी पत्नी मोतीलाल ने मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर इसकी शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में ज्ञान्ती देवी ने आरोप लगाया कि 26 जून को थानाध्यक्ष जफराबाद पुलिस बल के साथ उनके दरवाजे पर पहुंचे और गालियां देते हुए घर के पुरुषों और महिलाओं को जबरन थाने ले गए। वहां सभी को घंटों बैठाने के बाद शांति भंग की आशंका दिखाकर चालान कर दिया गया।महिला का कहना है कि इस बीच विपक्षी पक्ष के फकरूद आदि ने उनकी जमीन पर दीवार खड़ी कर दी, जबकि वह भूमि विवाद दीवानी न्यायालय में विचाराधीन है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस की मिलीभगत से विपक्षी पक्ष को कब्जा दिलवाया जा रहा है इस प्रकरण में थानाध्यक्ष से संपर्क करने का प्रयास किया गया। लेकिन फोन नहीं उठाया गया। मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है, वहीं पीड़िता न्याय की गुहार लगा रही है।

केईएम में 10 वर्षीय ओम मुकेश त्रिपाठी का ब्रेन सर्जरी हुआ सफल

मुंबई (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा पूर्व स्थित सरस्वती हाईट निवासी मुकेश त्रिपाठी के पुत्र ओम मुकेश त्रिपाठी का अचानक स्वास्थ बिगड़ने पर नालासोपारा के यशोदा हास्पीटल में भर्ती कराया गया था। परंतु तबीयत बिगड़ने पर मुंबई स्थित परेल के ई एम हास्पीटल में रेफर कर दिया गया। कहते हैं, डॉक्टर भगवान का ही रूप होते हैंह, और यह बात 10 वर्षीय ओम मुकेश त्रिपाठी की चिकित्सा यात्रा ने एक बार फिर सच साबित कर दी। करीब दो महीने तक जिंदगी और मौत की जंग लड़ने के बाद, ओम अब पूरी तरह स्वस्थ होकर मुंबई के सुप्रसिद्ध केईएम अस्पताल से 26 जून 2025 की रात डिस्चार्ज होकर अपने घर (नालासोपारा पूर्व, ओसवाल नगरी) लौट आया। ओम को पहले तेज बुखार और अकड़न की शिकायत हुई, जिसके बाद उसे विरार के

यशोदा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। प्रारंभिक इलाज के बाद उसे डिस्चार्ज कर दिया गया, लेकिन कुछ दिनों में उसके सिर में तेज दर्द शुरू हो गया। डॉ.शांत झा की सलाह पर जब एमआरआई कराया गया,तो ब्रेन में संक्रमण और पस जमा होने की पुष्टि हुई। तब उसे तुरंत केईएम हॉस्पिटल,मुंबई रेफर किया गया।11 मई को पहली ब्रेन सर्जरी में पस और इन्फेक्शन को हटाया गया।12 मई को अचानक ब्रेन में ब्लड क्लॉट जमने पर दूसरी सर्जरी की गई। कुछ दिनों बाद ब्रेन एन्यूरिज्म की पहचान हुई, और 28 मई को तीसरी जटिल सर्जरी की गई, जो 7-8 घंटे चली। इन तीनों ऑपरेशनों को सफलतापूर्वक अंजाम देने का श्रेय जाता है डॉक्टरों की विशेष टीम को डॉ. रघुनाथ प्रजापति, डॉ. सुधीर सिंह, डॉ. सुरेंद्र राय, डॉ. टीडो नाडकर्णी, डॉ.अभिधा शाह और अन्य विशेषज्ञों को।तीन ऑपरेशनों के बाद ओम को 28 दिनों तक आईसीयू में रखा गया, जहां उसने एक बेहद नाजुक दौर का सामना किया। आईसीयू में डॉक्टरों की सतर्क देखभाल ने ओम को नई जिंदगी दी,डॉ. नंदनी सिंघल, डॉ. कुंज पंचाल, डॉ. ऐश्वर्या शेट्टी, डॉ. शिवानी सोमानी, डॉ. अनन्या, डॉ. गीतांजलि, डॉ. गायत्री आदि की टीम ने दिन-रात मेहनत की।5 जून से ओम को वार्ड नंबर 1 में शिफ्ट किया गया, जहां भी डॉक्टरों ने लगातार निगरानी और इलाज जारी रखा, डॉ. प्रज्ञा (एसोसिएट प्रोफेसर), डॉ. एस.के. कराडे, डॉ. मिलिंद टुल्लू के नेतृत्व में डॉ. बुरहान, डॉ. महरीन, डॉ. श्यामला, डॉ. सारांश मौर्य, डॉ. हरिता, डॉ. मनीष, डॉ. नमिता, डॉ. सुवाश्री, डॉ. सुप्रिता, डॉ. अचल, डॉ. ऐश्वर्या लचके और अन्य ने ओम को धीरे-धीरे सामान्य जीवन की ओर लौटाया।केईएम की डीन डॉ. संगीता राउत का मार्गदर्शनपूर्ण उपचार के दौरान केईएम अस्पताल की डीन डॉ. संगीता राउत ने समय-समय पर डॉक्टरों को मार्गदर्शन दिया और इलाज की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाई। आज ओम का जीवन है एक मिसाल ओम त्रिपाठी का घर लौटना सिर्फ एक बच्चे की वापसी नहीं, बल्कि डॉक्टरों के समर्पण, विज्ञान की शक्ति और मानवीय करुणा की एक प्रेरणादायक कहानी है।

फोनपे और HDFC बैंक ने को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड के लॉन्च के लिए पार्टनरशिप की

मुंबई। फोनपे ने आज HDFC बैंक के साथ मिलकर 'फोनपे HDFC बैंक को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड' लॉन्च करने की घोषणा की है। यह को-ब्रांडेड कार्ड सेगमेंट में फोनपे का पहला कदम है। HDFC बैंक के साथ मिलकर RuPay क्रेडिट कार्ड्स की यह नई सीरीज भारतीय ग्राहकों की बदलती वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन की गई है, खासकर फोनपे प्लेटफॉर्म पर वढकसे की जाने वाली खर्चों पर शानदार फायदे देती है। HDFC बैंक और फोनपे की यह रणनीतिक पार्टनरशिप, दोनों की बैंकिंग और फिनटेक ताकत का बेहतरिन उपयोग कर, क्रेडिट कार्ड्स को ज्यादा आसान और यूजर-फ्रेंडली बनाती है।

'a'timo' और 'वढड' वेरिएंट में उपलब्ध ये कार्ड रिचार्ज, बिल पेमेंट, ट्रैवेल, ऑनलाइन शॉपिंग, किराने का सामान और कैब जैसे लोकप्रिय खर्चों के कैटेगरी पर रिवॉर्ड्स देते हैं। साथ ही, कार्ड वढक के साथ भी आसानी से इंटीग्रेट हो जाते हैं, जिससे यूजर्स अपने रोजमर्रा के खर्चों का पेमेंट क्रेडिट कार्ड से कर सकते हैं और वढकदप द्वारा सक्षम बड़े मर्चेंट, नेटवर्क पर कार्ड रिवॉर्ड्स का भी फायदा उठा सकते हैं।

इस लॉन्च पर फोनपे की चीफ बिजनेस ऑफिसर, कंज्यूमर पेमेंट्स, सोनिका चंद्रा का कहना है, कि हम HDFC बैंक के साथ अपने पहले को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लॉन्च को लेकर उत्साहित हैं। यह लॉन्च दिखाता है कि हम अपने इस बड़े यूजर्स के समूह को नए-नए फाइनेंशियल सोल्यूशंस देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। HDFC बैंक के कंट्री हेड - पेमेंट्स, लायबिलिटी प्रोडक्ट्स, कंज्यूमर फाइनेंस और मार्केटिंग, पराग राव जी ने कहा हैं।

पीएनजी ज्वेलर्स ने नए ब्रांड लाइटस्टाइल के साथ हाय-ग्रोथ वाले हल्के आभूषण सेगमेंट में किया प्रवेश

पटना। सराफी उद्योग में 192 वर्षों की विरासत और विश्वसाहता रहे भारत के सबसे भरोसेमंद ज्वेलरी ब्रांड / हाउस में से एक पीएनजी ज्वेलर्स ने आज पुणे में अपने समकालीन सब-ब्रांड लाइट स्टाइल बाय पीएनजी के शुरू करने की घोषणा की. यह लॉन्च पीएनजी के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि यह हर रोज पहनने के लिए हल्के, डिजाइन-फॉरवर्ड आकर्षक आभूषणों के माध्यम से आभूषण खरीदारों की अगली पीढ़ी से जुड़ता है. 18 कैरेट और 22 कैरेट सोने में तैयार लाइट स्टाइल 25-40 वर्ष की आधुनिक, स्टाइल के प्रति सजग महिलाओं के लिए तैयार किया गया है, जो आभूषणों का चयन न केवल परंपरा या उपहार के लिए करती हैं, बल्कि अपनी शैली के विस्तार के रूप में भी करती हैं. वर्कमीटिंग्स और कॅज्युअलआउटिंग्ज से लेकर प्री-फेस्टिवगेट- टुगेदर्स और छोटे झमोटे समारोहों तक, लाइट स्टाइल प्रतिभावान, न्यूनतम पीसेस प्रस्तुत करता है, जिसमें परिष्कार और सहजता का मिश्रण है. 22 जून 2025 को पुणे के खराडी और वाकड में लाइट स्टाइल के दो स्टोर शुरू किए जाएंगे, जिनका उद्घाटन प्रसिद्ध अभिनेत्री सई ताम्हण करके हाथों से किया जाएगा। पीएनजी ज्वेलर्स के अध्यक्ष और व्यवस्थापकीय संचालक डॉ. सौरभ गाडगीळ ने कहा की, लाइट स्टाइल के साथ, हम युवा उपभोक्ताओं के आभूषणों के प्रतिदृष्टिकोण में स्पष्ट बदलाव को देख रहे हैं. प्रतिभावान, हल्के वजन वाली वस्तुओं की मांग अब कम हो गई है; यह महिलाओं द्वारा संचालित एक बढ़ता हुआ क्षेत्र है जो आभूषणों को केवल विशेष अवसरों के लिए आरक्षित रखने के बजाय, इन्हें अपनी रोज की पहचान के हिस्से के रूप में देखती हैं. इस श्रेणी में अपार संभावनाएं हैं, विशेष कर शहरी और अर्ध-शहरी भारत में, जहां सोने के खरीदार तेजी से विकसित हो रहे हैं. हमारा लक्ष्य लाइटस्टाइल को इस क्षेत्र में एक विश्वसनीय नाम बनाना है, जहाँ प्रामाणिकता, डिजाइन और हर रोज की प्रासंगिकता एक साथ सहजता से आती है।

वो आपातकाल नहीं, सत्ता में बैठी कांग्रेस का अन्यायकाल था

मुंबई। भारत के संवैधानिक इतिहास में 25 जून, 1975 केवल एक तारीख नहीं है, यह वह काला दिन है जब लोकतंत्र की आत्मा को सत्ता के लोभ में कुचल दिया गया। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने यह स्पष्ट कर दिया कि यह केवल 'आपातकाल' नहीं, बल्कि सत्ता में जमी कांग्रेस की कुर्सी बचाने की अनीति छटपटाहट थी एक 'अन्यायकाल', जिसे राष्ट्र की सुरक्षा के नाम पर देश पर थोपा गया।

इस काले अध्याय ने केवल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का गला नहीं घोंटा, बल्कि न्यायपालिका को बहरा और प्रेस को स्वाहीविहीन कर दिया। 21 महीनों तक यह लोकतंत्र विरोधी सन्नाटा पूरे देश पर छाया रहा, और भारत की जनता को उनके ही देश में कैदी बना दिया गया। जब

भारत सरकार ने इस दिन को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया, तब यह लोकतंत्र के मूल्यों के प्रति एक राष्ट्रीय नवचेतना का उद्घोष था। आपातकाल के अंधकारमय दौर में, जब पूरा देश दमन और भय की चपेट में था, एक युवा प्रचारक जो आज भारत के प्रधानमंत्री हैं भूमिगत रहकर लोकतंत्र की मशाल थामे हुए था। वेश बदलकर, कभी साधु तो कभी अखबारवाले की तरह, उन्होंने जन-जागरण की अलख जगाई। आज वही नेता 140 करोड़ भारतीयों के भरोसे, आकांक्षाओं और उम्मीदों के प्रतीक हैं। यह केवल इतिहास की विडंबना नहीं, बल्कि प्रतिशोध है। एक ऐसे युग से जो इमर्जेंसी सर्वोपरिह की सोच से ग्रसित था, और एक ऐसे युग में प्रवेश का संकेत जहाँ राष्ट्र सर्वोपरि का उद्घोष जनमानस की चेतना बन चुका है।

संविधान हत्या दिवस के राष्ट्रीय कार्यक्रम में शाह का संबोधन केवल भाषण नहीं था, वह लोकतंत्र की पुनर्परिभाषा थी। उन्होंने याद दिलाया कि 24 जून, 1975 की रात भारत के इतिहास की सबसे अंधेरी रात थी, जिसमें लोकतंत्र का सूरज 21 महीनों तक अस्त रहा।

क्लूक ने शुरू किया द बेस्ट यू नाम का डिजिटल कैंपेन

मुंबई। क्लूक, जो एक ट्रैवल और एक्सपीरियंस प्लेटफॉर्म है और जो एशिया में घूमने-फिरने का तरीका बदल रहा है, उसने भारत में अपना नया ब्रांड कैंपेन शुरू किया है।जिसका नाम है द बेस्ट यू। यह एक कहानी-आधारित पहल है, जो दिखाती है कि यात्रा कैसे इंसान को भावनात्मक अनुभवों से भरपूर बना सकती है। इस कैंपेन में खास हैं भारत की कॉमेडी स्टार भारती सिंह, जो इस बार हँसाने के लिए नहीं, बल्कि खुद को फिर से जानने के लिए एक यात्रा पर निकलती हैं। इस अभियान को एक नए ब्रांड फिल्म के जरिए दिखाया गया है, जिसमें भारती की यात्रा के दौरान होने वाले भावनात्मक बदलाव को दिखाया गया है। क्लूक का द बेस्ट यू कैंपेन, जिसमें भारती सिंह नजर आ रही हैं, एक सीधी लेकिन दिल को छूने वाली बात सामने लाता है। यात्रा सिर्फ इस बारे में नहीं है कि आप कहाँ जा रहे हैं, बल्कि इस बारे में है कि इस सफर में

आप कैसे इंसान बनते हैं।

भारती सिंह और ट्रैवल स्टोरीटेलिंग की एक नई शुरुआतः अपनी हाजिरजवाबी, खुलेपन और मजबूती के लिए मशहूर भारती सिंह ने सालों तक लोगों की आलोचनाएं झेली हैं। जैसे बॉडी शेमिंग और समाज की उम्मीदों पर खरा उतरने की होड़। यह कैंपेन उनकी कहानी को एक नया रूप देता है, जहाँ वे ऐसे अनुभवों से गुजरती हैं जो दिल से जुड़े हैं, नए और बेहद निजी हैं। हर पल उन्हें ठहरने, महसूस करने और खुद से दोबारा जुड़ने का मौका देता है। भारती सिंह ने कहा कि - बहुत कम लोग जानते हैं कि इस इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने के लिए मैंने कैसी यात्रा तय की है, सालों से लोगों ने मुझे ये बताया कि मुझे अपनी जिंदगी कैसे जीनी चाहिए। लेकिन अब मैं रुकना चाहती हूँ, गहरी सांस लेना चाहती हूँ और कुछ ऐसा करना चाहती हूँ जो सिर्फ मेरे लिए हो। यात्रा से मुझे वो मौका मिलता है। खुद से जुड़ने का, नएपन को अपनाने का, और छोटी-छोटी चीजों में खुशी पाने का, जो सच में मेरे दिल को छूती हैं।

शिवम त्यागी, क्लूक इंडिया और मिडिल ईस्ट के मार्केटिंग लीड ने बताया की - द बेस्ट यू सिर्फ एक कैंपेन नहीं है। यह क्लूक का वादा है कि हर यात्रा को पर्सनल, खुशी से भरी और दिल से जुड़ी हुई बनाई जाए, आज के लोग ऐसी यात्राएं चाहते हैं जो उनकी पहचान और उनके जीवन के इस

बढ़ी हुई मतदाता संख्या को लेकर कांग्रेस का दिखावा भी बुरी तरह फेल होगा

ठाणे/नवी मुंबई। राहुल गांधी और महाविकास अघाड़ी के नेता बार-बार बढ़ी हुई मतदाता संख्या पर सवाल उठा रहे हैं। लेकिन जैसे भाजपा के विजयी क्षेत्रों में मतदाता संख्या बढ़ी है, वैसे ही महाविकास अघाड़ी के भी कई विजयी क्षेत्रों में मतदाता बढ़े हैं। इसके बावजूद राहुल गांधी और विपक्षी नेता बढ़े हुए मतदान को लेकर हल्ला मचा रहे हैं। विपक्षी दल चाहे जितनी भी अफवाहें फैलाएं, लेकिन पहले जैसे 'संविधान बचाओ' और 'एप्ट हटाओ' जैसे दिखावटी प्रयोग ध्वस्त हुए, वैसे ही अब बढ़ी हुई मतदाता संख्या का यह दिखावा भी पूरी तरह फेल होगा, क्योंकि कांग्रेस के इन झूठे बहानों को महाराष्ट्र की जनता बहकने वाली नहीं है, ऐसा जोरदार प्रत्युत्तर भाजपा के महाराष्ट्र प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष और विधायक रविंद्र चव्हाण ने विपक्ष को दिया है। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी और अन्य नेता लगातार यह दावा कर रहे हैं कि महाराष्ट्र में लाखों-करोड़ों मतदाता बढ़ गए हैं, इसी संदर्भ में विधायक रविंद्र चव्हाण ने प्रतिक्रिया व्यक्त की। विधायक रविंद्र चव्हाण ने आगे कहा, पिछले 11 वर्षों में देशवासियों को आतंकवाद, नक्सलवाद, वंशवाद, भ्रष्टाचार और चापलूसी से मुक्ति मिली है। देश में अभूतपूर्व विकास हो रहा है। वंदे भारत जैसी आधुनिक रेलगाड़ियां दौड़ रही हैं। मेट्रो नेटवर्क दिन-ब-दिन बढ़ रहा है। अच्छी सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है और उच्च गुणवत्ता की शैक्षणिक सुविधाएं भी विकसित हो रही हैं। औद्योगिक विकास से रोजगार को बढ़ी गति मिली है। एक तरफ विकास हो रहा है, तो दूसरी ओर विरासत और संस्कृति को भी संरक्षित किया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने हर संकल्प को सिद्ध करते हुए जनता का अटूट विश्वास जीता है। इसलिए ही जनता ने राष्ट्र और महाराष्ट्र की बागडोर 'नरेंद्र-देवेंद्र' की जोड़ी को सौंपी है। लेकिन बार-बार हार के बाद भी विपक्ष ने इससे कोई भी आत्मचिंतन नहीं किया है। पहले वे अपनी हार का दोष एप्ट पर डालते रहे। लेकिन जब कर्नाटक और तेलंगाना जैसे राज्यों में कांग्रेस और महाविकास अघाड़ी जीत गए, तब उन्होंने इसका श्रेय कभी एप्ट को नहीं दिया। कांग्रेस का यह ढोंग जनता की नजरों में आ चुका है और विधानसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी को जबरदस्त झटका लगा। उसके बाद राहुल गांधी और विपक्ष ने बढ़ी हुई मतदाता संख्या का मुद्दा उठाना शुरू किया।

शाहगंज पुलिस ने हत्याकांड के मुकदमें से सम्बन्धित 02 आरोपी को किया गिरफ्तार

शिवकुमार प्रजापति

शाहगंज ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विगत दिनो ग्राम मजडीहा (प्राइमरी स्कूल के पीछे) रेलवे क्रॉसिंग के बगल में एक शव की सूचना पर पुलिस बल द्वारा मौके पर पहुंच कर जांच की गयी तो मृतक राजेंद्र चौहान पुत्र सीताराम चौहान निवासी मजडीहा उम्र करीब 55 वर्ष शिनाख्त हुई थी। शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट से यह ज्ञात हुआ कि सर में चोट व बिजली के करंट से मृत्यु हुई थी। जिसके सम्बन्ध में थाना शाहगंज पर प्राप्त पुत्र की तहरीर के आधार पर मुकदमा 203/2025 धारा 103(1),238 पंजीकृत किया गया। को प्रभारी निरीक्षक शाहगंज मय हमराह द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मुकदमे में आरोपियों को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए चालान न्यायालय किया गया। पूछताछ पर आरोपी द्वारा बताया गया कि मृतक राजेन्द्र का मेरे घर में पहले से आना जाना था पूरा गांव कहता था कि राजेन्द्र का मेरी अम्मी से अवैध सम्बन्ध है जिससे क्षेत्र में हम लोगो की काफी बदनामी हो रही थी।अब सब लोग कहने लगे थे कि राजेन्द्र का मेरी पत्नी से भी अवैध सम्बन्ध है और वो फोन से राजेन्द्र से बात करती है । मैने जब अपनी पत्नी का फोन चेक किया तो वह राजेन्द्र से बात करती थी तब हम दोनों भाईयों द्वारा बार-बार मना किया गया लेकिन वो नही माने,मैने मृतक राजेन्द्र से अपनी पत्नी को बात करते हुए पकड़ लिया था मुझे बहुत गुस्सा आया था फिर हम दोनों फिर हम डंडे से वार किया था डंडे के मार से राजेन्द्र बेहोश होकर गिर गया था फिर दोनों मिलकर करंट देकर राजेन्द्र को मार डाला था उसके बाद मैने व मेरे तौफिक ने ई-रिक्से से ले जाकर शव को रेलवे लाईन के किनारे फेक दिया था हत्या करने वाले आरोपी का नाम पता तौफिक पुत्र झिनकू निवासी ग्राम सबरहद इमरानगंज थाना शाहगंज जनपद जौनपुर, आकिब पुत्र झिनकू निवासी ग्राम सबरहद इमरानगंज थाना शाहगंज जनपद जौनपुर

बीज व्यापारी के गोदाम से लाखों का सामान चोरी

समान समेत व्यापारी ने रंगे हाथ पकड़ कर सौंपा पुलिस को

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर कोतवाली अंतर्गत शाहू धर्मशाला के पास एक बड़े बीज गोदाम से शुक्रवार को लाखों रुपए की मशीन की चोरी का मामला पूरे शहर में चर्चा का विषय बन गया है। गोदाम के मालिक मौके पर पहुंचे। उन्होंने सामान ले जा रहे लोगों को रंगे हाथ पकड़ लिया। पुलिस को सूचना दे कर मौके पर बुलवाया। गोदाम से सामान ले जाने वाले लोगों के साथ उस वाहन को भी कोतवाली पुलिस रंगे हाथ पकड़ कर थाने ले आई बावजूद इसके नगर कोतवाली पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज न करना एक बड़ा सवाल खड़ा करता है इस सम्बंध में पुलिस अधीक्षक डॉ.कौस्तुभ को दिए गए प्रार्थना पत्र में शहर के मरदानपुर निवासी शहर के बड़े बीज व्यापारी रामचंद्र भगेलूराम मौर्य फर्म के मालिक शत्रुघ्न मौर्य ने आरोप लगाया कि स्टेशन रोड, साहू धर्मशाला स्थित मेरे गोदाम से पिछले एक पखवाड़े से निरंतर चोरी हो रही थी। लेकिन मैं चोर को पकड़ नहीं पा रहा था। जिसमें आज दिनदहाड़े कुछ बदमाश किस्म के लोग अवैध असलहों से लेस होकर घुस गए। वहां स्थापित एग्रोसा कंपनी का भारी भरकम सीड प्रोसेसिंग प्लांट को गेलेंडर मशीन से काट कर छोटे पिकअप पर लाद कर वह बाहर निकल रहे थे इस दौरान मुझे पड़ोस के एक व्यक्ति ने सूचना दिया आनन फानन में मैं बाइक से अपने बेटे व कुछ मित्रों को लेकर मौके पर गया। इस दौरान वहां देखा कि दो-तीन लोग सारे सामान को वाहन पर रख कर मुख्य गेट से बाहर निकल रहे थे मैंने उन लोगों को घेराबंदी कर पकड़ लिया । फिर यूपी डायल 112 पर फोन करके पुलिस और कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मिथलेश मिश्र व भंडारी पुलिस चौकी प्रभारी को बुलाया।पुलिस ने वाहन चालक और साथ में मौजूद दोनों लोगों को हिरासत में लेकर कोतवाली ले गई । लेकिन अभी तक इस पूरे मामले में पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ मुकदमा नहीं दर्ज किया है। व्यापारी शत्रुघ्न मौर्य ने आरोप लगाया कि इतनी बड़ी चोरी के मामले में घटना को अंजाम देने वालों को मौके पर पकड़ा गया। लेकिन पुलिस ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की, उल्टे मुझे समझौता करने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। फिलहाल मामला जो भी हो लेकिन शहर के प्रतिष्ठित बीज व्यापारी के गोदाम से इस तरह के हुई घटना का खुलासा होना और पुलिस द्वारा मौके पर जाकर वहां से सभी सामान को कोतवाली लाना , फिर कोई कार्रवाई न करना एक बड़े सवाल खड़ा करता है।